◆ वर्ष -35 ◆ अंक 62 ◆ www.skhnewstv.com ◆ 10 सितम्बर 2024 फिरोजाबाद ◆ पृष्ठ : 8 ◆ मूल्य : 1

दैनिक सच क्या है की प्रस्तुति

SKH NEWS

R.N.I.NO. 56725/89

सच क्या है

(उत्तर भारत का प्रमुख हिन्दी दैनिक)

अंदर के पेज 3 साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में किया प्रवेश : मुख्यमंत्री योगी 4 मानसिक दृष्टिकोण एवं आत्मविश्वास से हर क्षेत्र में सफलता संभवः बीके पालीवाल 5 कल को बेहतर बनाने के लिए आज वृक्षारोपण बहुत जरूरीः विक्रमादित्य मलिक 6 सच्ची भक्ति और समर्पण ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म है- साध्वी श्वेतिमा माधव प्रिया 7 कैडर सचिवों की वेतन संबंधी विसंगतियों सहित अनेक मुद्दों पर हुई चर्चा

कैंसर की दवा एवं नमकीन पर जीएसटी की दर घटा, स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर नवंबर में फैसलाः सीतारमण

वित्त मंत्री बोलीं-बीमा प्रीमियम कर कटौती पर परिषद में व्यापक सहमति, अगली बैठक में निर्णय

नई दिल्ली, 09 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्री समूह (जीओएम) और रियल एस्टेट पर गठित जीओएम ने अपनी स्थिति रिपोर्ट को सौंप दी है। उन होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग और कैसीनो पर स्थिति प्रस्तुत की गई है। सीतारमण ने कहा कि 6 महीनों में ऑनलाइन गेमिंग से राजस्व 412 फीसदी बढ़कर 6909 करोड़ रुपये हो गया है।

सीतारमण ने राजधानी नई दिल्ली में सुषमा स्वराज भवन में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी परिषद ने कैंसर की दवाओं पर जीएसटी की दर को 12 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी किया है, जबकि नमकीन पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी करने की सिफारिश की गई है। उन होंने कहा कि अब केंद्र और राज्य से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटीज और रिसर्च सेंटर को ग्रांट लेने पर जीएसटी नहीं चुकाना होगा।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि परिषद की बैठक में दो नए मंत्रियों का समूह (जीओएम) गठित किया गया है। इसमें एक जीएमओ चिकित्सा और स्वास्थ्य बीमा पर गठित किया गया है। ये जीओएम बिहार के उप-मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दर युक्तिकरण जीओएम होगा लेकिन इस सीमित उद्देश्य के लिए नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। उन होंने कहा कि हमने उनसे कहा है कि वे इस मामले को देखेंगे और अक्टूबर 2024 के अंत तक एक रिपोर्ट लेकर आएंगे। नवंबर में होने वाली जीएसटी परिषद इस रिपोर्ट के आधार पर अंतिम निर्णय लेगी जो कि जीओएम से आएगी।

सीतारमण ने कहा कि मार्च 2026 के बाद आने वाले क्षतिपूर्ति उपकर के मुद्दे पर विचार करने के लिए भी मंत्री समूह का गठन किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि आईजीएसटी (एकीकृत जीएसटी) पर अतिरिक्त सचिव (राजस्व) की अध्यक्षता में सचिवों की एक समिति बनाई जाएगी। इसमें वर्तमान में असंतुलन की स्थिति है। यह राज्यों से राशि वापस लेने के तरीकों पर गौर करेगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नई दिल्ली में सुषमा स्वराज भवन में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक की अध्यक्षता की। वित्त मंत्री के साथ-साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, गोवा और मेघालय के मुख्यमंत्री, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (विधानसभा सहित) के वित्त मंत्री और केंद्र सरकार और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी बैठक में भाग ले रहे हैं।

अमित शाह मंगलवार को क्साइबर के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली, 09 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को नई दिल्ली में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (क्साइबर) के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करेंगे और साइबर अपराध से सुरक्षा के लिए प्रमुख पहलों का शुभारंभ करेंगे।

गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि गृह मंत्री साइबर धोखाधड़ी शमन केंद्र (सीएफएमसी) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। सीएफएमसी की स्थापना नई दिल्ली में क्साइबर में की गई है, जिसमें प्रमुख बैंकों, वित्तीय मध्यस्थों, भुगतान एग्रीगेटर्स, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, आईटी मध्यस्थों और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के प्रतिनिधि शामिल हैं। वे ऑनलाइन वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई और निर्बाध सहयोग के लिए मिलकर काम करेंगे। सीएफएमसी कानून प्रवर्तन में "सहकारी संघवाद" का एक उदाहरण पेश करेगा।

अमित शाह समन्वय प्लेटफॉर्म (संयुक्त साइबर अपराध जांच सुविधा प्रणाली) का शुभारंभ करेंगे। समन्वय प्लेटफॉर्म नामक एक वेब-आधारित मॉड्यूल, जो साइबर अपराध के डेटा संग्रह, डेटा साझाकरण, अपराध मानचित्रण, डेटा विश्लेषण, देश भर में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए सहयोग और समन्वय मंच के लिए वन स्टॉप पोर्टल के रूप में कार्य करेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री 'साइबर कमांडो' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत देश में साइबर सुरक्षा परिदृश्य के खतरों का मुकाबला करने के लिए राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) में प्रशिक्षित 'साइबर कमांडो' की एक विशेष शाखा स्थापित की जाएगी। प्रशिक्षित साइबर कमांडो डिजिटल स्पेस को सुरक्षित करने में राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय एजेंसियों की सहायता करेंगे।

अमित शाह संदिग्ध रजिस्ट्री का भी उद्घाटन करेंगे। इस पहल के तहत वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए बैंकों और वित्तीय मध्यस्थों के सहयोग से राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के आधार पर विभिन्न पहचानकताओं की एक संदिग्ध रजिस्ट्री बनाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (क्साइबर) की स्थापना 5 अक्टूबर, 2018 को गृह मंत्रालय के साइबर और सूचना सुरक्षा प्रभाग (सीआईएस डिवीजन) के भीतर केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत की गई थी।

इसका प्राथमिक उद्देश्य देश भर में साइबर अपराध से संबंधित सभी मुद्दों के समाधान के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का समन्वय केंद्र स्थापित करना था। क्साइबर का उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमताओं को बढ़ाना और साइबर अपराध से निपटने वाले विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय में सुधार करना है। 10 जनवरी, 2020 को नई दिल्ली में क्साइबर मुख्यालय का उद्घाटन किया गया और इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया था। एक स्थायी संस्थागत रूप देने और योजना चरण के दौरान प्राप्त सीख पर निर्माण करने के लिए, 1 जुलाई 2024 से, क्साइबर को गृह मंत्रालय के तहत एक संलग्न कार्यालय के रूप में नामित किया गया है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, केंद्रीय गृह सचिव, आईबी निदेशक, विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), भारत के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और डीजीपी व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विभिन्न सरकारी संगठनों के अधिकारी, विभिन्न बैंकों व वित्तीय मध्यस्थों, फिनटेक, मीडिया, साइबर कमांडो, एनसीसी और एनएसएस कैडेटों के वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली, 09 सितंबर (हि.स.)। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति भवन में यूएई नेतृत्व की तीसरी पीढ़ी का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, जो उच्च स्तरीय संपर्क की लंबी परंपरा को जारी रखे हुए हैं, जो यूएई के साथ भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप है।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दशक में हमारे ऐतिहासिक और दूरदर्शी द्विपक्षीय संबंधों में बदलाव आया है, जिसे दोनों देशों के दूरदर्शी नेतृत्व ने आगे बढ़ाया है।

उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि क्राउन प्रिंस की यात्रा के दौरान, हमने सहयोग के नए क्षेत्रों में कई समझौतों के माध्यम से इस साझेदारी को और आगे बढ़ाया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों के बीच आपसी संबंध इस रिश्ते की नींव हैं, क्योंकि यूएई में 35 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक रहते हैं। उन्होंने यूएई नेतृत्व की उनके कल्याण को सुनिश्चित करने, खासतौर पर कोरोना महामारी के कठिन समय के दौरान बरती गई विशेष देखभाल के लिए सराहना की।

दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के समाज समन्वित और बहुसांस्कृतिक विरासत वाले हैं तथा महात्मा गांधी और शेख जायद द्वारा दिखाए गए शांति, सहिष्णुता और सद्भाव का मार्ग हमारे राष्ट्रीय चरित्र में गहराई से समाया हुआ है।

राष्ट्रपति को अमीराती समाज के सभी पहलुओं में महिलाओं की भागीदारी और योगदान की उच्च दर पर भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने यह प्रदर्शित किया है कि ह्महिलाओं के नेतृत्व वाला विकासह्व समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अधिक प्रभावी परिणाम दे सकता है।

इससे पहले अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने राजघाट पर जाकर एक पौधा लगाया। वह यूएई से राजघाट पर पौधा लगाने वाले तीसरी पीढ़ी के नेता हैं।

इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति शेख जायद और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद ने यहां पौधे लगाए थे।

भारतीय राजनीति में प्रेम और सम्मान का अभाव : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 09 सितंबर (हि.स.)। कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के टेक्सास में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा है कि भारतीय राजनीति में प्रेम और सम्मान का बहुत ज्यादा अभाव है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भी आलोचना की है।

कांग्रेस नेता राहुल ने कहा है कि आरएसएस मानती है कि भारत एक विचार है। वहीं कांग्रेस का मानना है कि भारत विचारों की विविधता वाला देश है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की तरह हमें भी लगता है कि हर किसी की भागीदारी होनी चाहिए। हमारा मानना है कि हर किसी को सपने देखने का हक होना चाहिए और जाति, भाषा, धर्म, परंपरा, इतिहास के किरदारों, हर किसी को अवसर मिलना चाहिए।

राहुल ने कहा कि देश में इन्हीं दो विचारों की लड़ाई है। चुनाव में यह लड़ाई अपने चरम पर पहुंच गई थी। इस दौरान भारत में करोड़ों लोगों को साफ समझ में आया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के संविधान पर हमला कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमने इस बार के लोकसभा चुनाव में देखा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने से पूर्ण बहुमत लाने में सक्षम नहीं हो पायी। उनकी राय में भारत और अमेरिका रूपी दो घरों के बीच स्वतंत्र रूप से यात्रा होनी चाहिए। आपको भारत का विचार अमेरिका में लाना चाहिए और अमेरिका के विचार भारत में लाना चाहिए। इसमें भारत-अमेरिकी समुदाय की महती भूमिका है।

ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा ने किया तीखा हमला, बताया चिंताजनक स्थिति

नई दिल्ली, 09 सितंबर (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नर को इस्तीफा देने से रोका। इस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए इस स्थिति को चिंताजनक बताया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट करके कहा कि ममता बनर्जी जिस बेशर्मी से अपना पल्ला झाड़ रही हैं और पश्चिम बंगाल पुलिस का बचाव कर रही हैं, उसका काम पश्चिम बंगाल सरकार के अस्पतालों में ड्यूटीरत डॉक्टरों को बुनियादी सुरक्षा प्रदान करना है, वह चिंताजनक है।

मालवीय ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि अपराधियों ने कोलकाता के मध्य में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अंदर एक ऑन ड्यूटी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार करने और उसकी हत्या करने का दुस्साहस क्यों किया? वे जानते थे कि मुख्यमंत्री उनका बचाव करेंगी।

उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि कुछ चैनल लगातार बंगाल के लोगों का अपमान कर रहे हैं। उन्हें हमारी संस्कृति के बारे में कुछ नहीं पता है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते पुलिस कमिश्नर खुद मेरे पास इस्तीफा देने के लिए आए थे, लेकिन मैंने उन्हें रोक दिया। बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि बाहरी लोगों को पता होना चाहिए कि दुर्गा पूजा की तैयारी चल रही है और ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना कितना जरूरी है। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर मैंने उन्हें इस्तीफा देने से रोका है।

एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में 4 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र किया दाखिल

नई दिल्ली, 09 सितंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को बेंगलुरु रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। चारों को पहले गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वे न्यायिक हिरासत में हैं। यह जानकारी एनआईए ने दी।

एनआईए ने आरोपितों की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ के रूप में की है। इन आरोपितों पर आईपीसी, यूए(पी) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और पीडीएलपी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोपपत्र दाखिल किया गया है। इस मामले की जांच अभी जारी है।

एनआईए के मुताबिक, इस साल 1 मार्च को रामेश्वरम कैफे, ब्रुकफील्ड, आईटीपीएल बेंगलुरु में हुए आईईडी विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए थे और होटल की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा था। इस मामले में एनआईए ने 3 मार्च को मामले की जांच शुरू की और विभिन्न राज्य पुलिस बलों व अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय में जानकारी हासिल की।

एनआईए के जांच में पता चला कि शाजिब वह व्यक्ति था, जिसने बम लगाया था। वह और ताहा पहले ही 2020 में अल-हिंद मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद से फरार हो गए थे। एनआईए द्वारा की गई व्यापक तलाशी के बाद रामेश्वरम कैफे विस्फोट के 42 दिन बाद पश्चिम बंगाल में उनके ठिकाने से उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

एनआईए के मुताबिक, कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के रहने वाले ये दोनों व्यक्ति इस्लामिक स्टेट आफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के कट्टरपंथी थे और वे पहले सीरिया में आईएसआईएस के इलाकों में भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को आईएसआईएस की विचारधारा के प्रति कट्टरपंथी बनाने में सक्रिय रूप से शामिल थे। माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ उन्हीं युवाओं में से हैं।

एनआईए के मुताबिक, ताहा और शाजिब ने धोखाधड़ी से भारतीय सिम कार्ड लिया और भारतीय बैंक खातों का इस्तेमाल किया। इसके साथ हीडार्क वेब से डाउनलोड किए गए विभिन्न भारतीय और बांग्लादेशी पहचान दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया था।

एनआईए की जांच में आगे पता चला कि ताहा को पूर्व अपराधी शोएब अहमद मिर्जा ने मोहम्मद शाहिद फैसल से मिलवाया था, जो लश्कर-ए-तैयबा बेंगलुरु षडयंत्र मामले में फरार है।

इसके बाद ताहा ने फैसल को अपने हैंडलर महबूब पाशा से मिलवाया, जो अल-हिंद आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में आरोपित है और आईएसआईएस साउथ इंडिया के अमीर खाजा मोहिदीन से मिलवाया और बाद में माज मुनीर अहमद से भी मिलवाया।

ताहा और शाजिब को उनके हैंडलर ने क्रिप्टो करेंसी के जरिए फंड दिया था।

आरोपितों ने इस फंड का इस्तेमाल बेंगलुरु में हिंसा की विभिन्न वारदातों को अंजाम देने के लिए किया था। इसमें 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय पर आईईडी हमला शामिल था। इस हमले में असफल होने के बाद दोनों मुख्य आरोपितों ने रामेश्वरम कैफे में विस्फोट की योजना बनाई थी।

सम्पादकीय

कांगड़ा का चमन

जब भी प्रदेश की सियासत का मुआयना होता है, कांगड़ा के मुद्दों पर सवार होना होता है। इस बार मौका भाजपा के हाथ आया तो नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विधानसभा के सदन को तपा दिया। ह्यखामोशियां फिर तूफानों सी गूंज गईं, इस हवा को हमारे आंगन से कुछ कहना थाह्ल जयराम बोल रहे थे तो कांगड़ा की चुप्पियों का पदचाप सदन के सन्नाटे तोड़ रहा था, लेकिन सियासत के खंभों पर कांगड़ा के ही नेता फिसले है। पौध बदल जाती है, कभी शांता-कभी धूमल में बंट जाती है। हकीकत यह भी है कि सत्ता का तिलक जब भी शिमला में सरकार के माथे पर लगा, तो कांगड़ा कश्तियों पर सवार रहा, लेकिन बार-बार इसी के ह्यपत्तन टूटेह्ल हैं। ऐसा नहीं है कि जो विपक्ष ने कहा, वही कांगड़ा का अवतार है, लेकिन सच यह भी है कि कांगड़ा को मिलते रहे ह्यराजधानियों के दर्जोंह्ल ने इसी से वफा की। यह दीगर है कि कांगड़ा के प्रणेता के रूप में वीरभद्र की सत्ता के हर दशक ने इस क्षेत्र के मतदान का कर्ज उतारा है और अंतिम पैगाम आने तक शीतकालीन राजधानी का मील पत्थर धर्मशाला में सरकार को चुंबक बन कर खींचता रहा या तपोवन में शीतकालीन सत्र में तपते प्रश्न सुकून देते रहे। आश्चर्य यह कि धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय की अस्थायी छत बनी, लेकिन जदरांगल परिसर पर कोई सरकार ईमानदार नहीं रही। धूमल की दौलत में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की गिरफ्त में आकर, केंद्रीय विश्वद्यिालय राजनीति करने लगा। सांसद व मंत्री रहे अनुराग ठाकुर की विरासत में जब केंद्रीय विश्वविद्यालयय पलने लगा, तो जदरांगल परिसर की परीक्षाएं अब सुक्खू सरकार में अलग-अलग ह्यकांगड़ोंह्ल में दिखाई देने लगीं। मामला देहरा में उठती इमारतों में दब जाएगा या उपचुनाव की देहरी पर मुख्यमंत्री के वादे से जदरांगल परिसर बच जाएगा।

बेशक कांगड़ा पर्यटन की राजधानी बनने का हुनर जानता है, लेकिन एडीवी की योजनाओं में किसका जहर भरता है। प्रदेश का पहला ट्यूलिप गार्डन धर्मशाला की सियासी आबोहवा में उजड़ गया, तो वहां खर्च हुए सात करोड़ पर कौन रहम खाएगा। बीड़-बिलिंग में राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल की बनी बनाई इमारत में कब कोर्स चलाया जाएगा। कभी धूमल ने धर्मशाला को खेल राजधानी कहा, लेकिन बजट के बावजूद साई के राष्ट्रीय खेल छात्रावास की योजना उजड़ गई। अब हाई अल्टीट्यूट खेल संस्थान के नाम 27 एकड़ जमीन किससे फरियाद करे। चैतड़ू का आई टी पार्क कहीं तो राजनीतिक गुनाहों का देवता बना। देश में प्रवासी पक्षी जिस पौंग झील को ह्यरामसरह्ल का दर्जा दिला देते हैं, वहां विस्थापितों की चिंता की लकीरें पानी में लहर बन जाती हैं आज भी। बांटा तो कांगड़ा एयरपोर्ट भी बार-बार गया। शकुनि विरोध की तमस में वर्षों से जल रही परियोजना को छाती से लगा कर निश्चित रूप से सुखविंदर सुक्खू ने अपने सीने का फैलाव बताया है। कांगड़ा पर्यटन कैपिटल के कई दुर्ग नजर आ रहे हैं। कृषि विश्वविद्यालय की जमीन पर्यटक गांव में चली जा रही होगी। धर्मशाला कानवेंशन सेंटर से जमीन छीनी जा रही होगी, लेकिन मानना पड़ेगा कि सुक्खू सरकार के इरादों ने कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार का पूरा नक्शा और खाका जमीन पर उतार दिया है। गनीमत होगी अगर कांगड़ा में पर्यटन राजधानी के असली मकसद को छीनने के लिए स्थानीय नेता अपने-अपने राजनीतिक दुर्ग के लिए परियोजनाओं को छीन कर बर्बाद न कर दें। ऐसा प्रतीत होने लगा है कि कांगड़ा पर्यटन राजधानी की संभावनाओं में सियासत अपनी संभावनाओं की खींचतान कर रही है।

जीवन का वरण करें

अंतरराष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम दिवस (10 सितंबर) पर विशेष

गिरीश्वर मिश्र

वैसे तो आत्महत्या जैसी घटनाओं का विभिन्न संस्कृतियों में लम्बा इतिहास है, फिर भी समकालीन समाज में जिस तेजी से ये लगातार बढ़ रही है वह पूरे विश्व के लिए चिंता का बड़ा कारण हो रहा है। आत्महत्या की दिशा में आगे बढ़ना और उसे अंजाम देना बड़ा जटिल व्यवहार है। यह आर्थिक, पारिवारिक, धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में आ रहे तीव्र परिवर्तन के दबावों से जुड़ा हुआ है। भारत के संदर्भ में आधुनिकीकरण, धर्म की जगह सेकुलर दृष्टि को तरजीह और संयुक्त परिवार का नष्ट होना कुछ ऐसी घटनाएँ हैं जो हमारी सोच को उलट-पलट रहे हैं और व्यक्तिगत स्तर पर व्यवहार को नियंत्रित संयोजित करने की प्रक्रिया को कमजोर कर रहे हैं। औद्योगीकरण तथा नगरीकरण आदि ने समाज में विद्यमान एकीकरण या जोड़ने की क्षमता को लगातार कम किया है। अब व्यक्तिगत स्वातंत्र्य को बढ़ावा देते हुए व्यक्ति की निजी इच्छाओं को अधिक महत्व दिया जा रहा है। समाज द्वारा नियमन और निगरानी अनावश्यक दखल मानी जा रही है। इन सबके बीच आदमी की बुद्धि, भावना और सामाजिकता सबके बीच संतुलन बिगड़ता जा रहा है। लोगों के आपसी रिश्ते बेतरतीब हो रहे हैं। सामाजिक-आर्थिक संरचना में बदलाव और बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के साथ लोग कर्ज, शेयर बाजार में गिरावट और गलाकाट व्यावसायिक प्रतिद्वंदिता जैसी मुश्किलों में उलझते जा रहे हैं। व्यक्तिगत स्तर पर नकारात्मक जीवन की घटनाएँ आदमी में विषाद, निराशा और खुद के बारे में नकारात्मक सोच को बढ़ावा दे रही हैं। इन सबके बीच आदमी सारे कष्टों से मुक्ति के उपाय के रूप आत्महत्या के विचार की ओर आकृष्ट होता है। वह खुद अपने आप से और अपनी दुनिया से पलायन करने को उद्यत होता है। बढ़ते भावनात्मक तनाव के बीच मृत्यु का आकर्षण तीव्र हो उठता है। भावनात्मक कठिनाइयों से लड़ते हुए आदमी का आत्म-नियंत्रण टूटने लगता है।

अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कुछ देशों में आयु के साथ आत्महत्या की घटनाएँ बढ़ रही हैं तो कुछ देशों में मध्य आयु वर्ग में इसकी प्रवृत्ति सर्वाधिक है तो कुछ में किशोरवय में यह अधिक है। आज आत्मघात करने की मानसिक अवस्था वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य की एक प्रमुख समस्या का रूप ले रही है। एक अनुमान के अनुसार विश्व में होने वाले आत्महत्या के कुल मामलों के 78 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों से आते हैं। मनुष्यों की मृत्यु के कारणों में पंद्रहवाँ आत्महत्या का है। पूरे विश्व में लगभग सात लाख से अधिक लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण होती है। प्रति एक लाख की जनसंख्या पर 10.7 आत्महत्या की दर का अनुमान किया गया है। उल्लेखनीय है कि 15-44 वर्ष के आयु वर्ग में आत्महत्या, मृत्यु के तीन प्रमुख कारणों में शुमार है। यद्यपि पुलिस के आँकड़े अपर्याप्त हैं और राष्ट्रीय अपराध रिकर्ड ब्यूरो के प्रदत्त संकलन की विधि भी पूरी तरह से संतोषजनक नहीं है तथापि उनसे पता चलता है कि 25-34 आयु वर्ग में और बुजुर्गों में आत्महत्या के मामले अधिक थे। इसी तरह पुरुषों, खंडित परिवारों, तलाकशुदा लोगों में, अकुशल कामगारों में, निम्न सामाजिक-आर्थिक समुदायों के लोगों में, नकारात्मक जीवन की परिस्थितियों (जैसे-पारिवारिक कलह, वैवाहिक समस्या) से जूझते लोगों में इस तरह की घटनाएँ अधिक होती हैं।

आत्महत्या को सीमांत व्यक्तित्व विकृति का एक लक्षण माना गया है। कई मामलों में इसका सम्बन्ध मादक द्रव्य और पदार्थों के सेवन से भी जुड़ा पाया जाता है। इसे खानपान, चिंता, अवसाद, द्विछोरी (बाई पोलर) विकृति तथा त्रासदी उपरांत विकृति (पीटीएसडी) से भी जुड़ा पाया गया है। इसकी व्याख्या करते हुए प्रसिद्ध समाजशास्त्री दुर्खाइम ने समाज और संस्कृति की भूमिका पर बल दिया था। इसे फ्रायड के विचारों को ध्यान में रखकर आत्महत्या को दूसरे व्यक्ति की हत्या का विलोम और दूसरे के प्रति क्रोध की आत्माभिमुख अभिव्यक्ति भी कहा गया है। इसकी व्याख्या मृत्यु की मूल प्रवृत्ति तथा हत्या करने की आकांक्षा और मृत्यु की इच्छा आदि से भी जोड़ कर की जाती है। इसे मनोपीड़ा (साइकीक) से भी सम्बंधित किया गया है जो असह्य हो और जीना दूभर कर दे। उतावलापन और कार्य में चरमोत्कृष्टता (परफेक्शन) की प्रवृत्ति से भी इसे जुड़ी होती है।

ध्यातव्य है कि आत्महत्या स्वयं अपने द्वारा अपने को खत्म करने के लिए आरंभ किया गया सचेत व्यवहार है। वस्तुतः यह अस्वास्थ्य की एक बहुआयामी अवस्था है जब कोई व्यक्ति किसी मुद्दे के समाधान के रूप में आत्महत्या को विकल्प तय करता है। उसे और दूसरे रास्ते बंद लगते हैं और यही उसे सर्वथा उचित उपाय लगने लगता है। अक़्सर आत्महत्या के अंतिम कदम उठाने के पहले व्यक्ति कई व्यवहार प्रदर्शित करता है जो इस (आगामी) दुर्घटना का संकेत देते हैं। स्वैच्छिक आत्महानि या खुद को नुकसान पहुँचाने का व्यवहार भी कई तरह का होता है। जहर खाना, कोई गलत या अधिक मात्रा की दवा या पेस्टीसाइड आदि खाना, फाँसी लगाना, नस काट कर, पानी में कूद कर, पिस्टल आदि घातक हथियार से खुद को अपने को आहत करते हैं और जान दे देते हैं। खुद को आघात पहुँचाने की प्रवृत्ति आत्महत्या की दिशा में आगे बढ़ने की प्रवृत्ति की सहयोगी होती है। इन सबमें जोखिम को बढ़ाने वाले कारक एक से हैं। गैर घातक आत्मघाती व्यवहार भी किया जाता है जिसको पहचानना सरल नहीं होता है। उसे समझने के लिए व्यवहार की तीव्रता और व्यवहार कितना प्राणघाती है इन सब पर गौर करना जरूरी होता है। इस तरह के लक्षणों वाले रोगियों को सँभालने के लिए प्रभावी मनोचिकित्सा की जरूरत होती है। ऐसे रोगियों की जाँच और मूल्यांकन अच्छी तरह से होना चाहिए। मूल्यांकन के आधार पर औषधि या गैर औषधि वाले उपायों की सहायता ली जा सकती है। खासतौर पर आत्मघात के लक्षणों वाले रोगियों के जैविक, सामाजिक आर्थिक तथा सामाजिक सांस्कृतिक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशेष कि स्म के उपचार की जरूरत पड़ती है। आत्महत्या की सोच को जाँचने के लिए मनोवैज्ञानिकों ने कुछ प्रश्नावलियों का भी विकास किया है जिससे उसका पूवार्नुमान किया जा सकता है। ऐसे रोगी की सुरक्षा की पुख़्ता व्यवस्था होनी चाहिए। उसकी अच्छी तरह देख-रेख और निगरानी जरूरी है। सामाजिक रिश्तों से जुड़ी समस्याओं के लिए समस्या-समाधान, थिरैपी (जैसे- संज्ञानतमक व्यवहार चिकित्सा या सीबीटी) और परामर्श उपयोगी हैं।

इस परिस्थिति के लिए प्राथमिक रोकथाम की कोशिश करते हुए समाज के स्तर पर जोखिम को घटाना आवश्यक है। इस दृष्टि से गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, तनाव, वैवाहिक संघर्ष, मादक द्रव्य सेवन, हथियारों की उपलब्धता आदि को कम करना होगा। द्वितीयक रोकथाम के अंतर्गत इसके जोखिम वाल लोगों को पहचानना और उचित तथा सामयिक हस्तक्षेप जरूरी है। समय पर हस्तक्षेप करना बड़ा लाभकर होता है। क्राइसिस हेल्पलाइन और परामर्श की प्रभावी सेवा उपलब्ध कराना जरूरी है। तृतीयक रोकथाम के अंतर्गत जो लोग आत्महत्या की कोशिश कर चुके हैं और जीवित हैं, उनको शर्म और ग्लानि से मुक्त करना और पुनर्वास का प्रयास शामिल है।

आत्महत्या के प्रश्न को समाज में हम किस नजरिए से देखते हैं यह महतवपूर्ण है। इसे लेकर चुप्पी तोड़ने की आवश्यकता है। खुले मन से, समझदारी की दृष्टि से सहायता की ईमानदार कोशिश से उन लोगों को बचाया जा सकेगा जो इस घातक मनोरोग से ग्रस्त हैं और जिन्हें मदद की आवश्यकता है। इसके लिए जन-जागृति और सहयोग की संस्कृति विकसित करनी होगी। इस तरह के विचार-विमर्श से सम्बंधित नीतियों का निर्माण और कायदे-कानून बनाने में सहायता मिलेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बार आख्यान में बदलाव लाने के लिए कहा है। इसका आशय यह भी है कि मानसिक स्वास्थ्य को वरीयता मिले, उसके लिए आवश्यक सुविधा तक जन सामान्य की पहुँच सुनिश्चित हो। आत्महत्या को रोकना असंभव नहीं है। इसके लिए उचित समय पर इस दिशा में आगे जा रहे व्यक्ति से मिल रही चेतावनी के संकेत को समझ कर उचित कार्यवाही की जानी चाहिए। इसके लिए आत्महत्या को लेकर समाज में व्याप्त आख्यान को नए सिरे से गढ़ना होगा। इस बारे में खुले और ईमानदार विमर्श की शुरूआत करनी होगी।

तभी मानसिक स्वास्थ्य के इस गंभीर पहलू को समझा जा सकेगा। विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी मेलजोल से हम एक संवेदनशील समाज बना सकेंगे जिसमें हर कोई अपने को उपयोगी, समर्थ और मूल्यवान समझ सके। समाज भी उसे ठीक तरह से समझ कर उसके साथ बर्ताव कर सकेगा। उपनिषद् में काम करते हुए सौ साल जीने की कामना की गई थी : कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेत्शतं समाः । जीवन अमूल्य है और उसके पालन-पोषण और संरक्षण के लिए सामाजिक स्तर पर तैयारी आवश्यक है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

आज का राशिफल

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर : शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन : व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

आत्महत्या किसी समस्या का हल नहीं

-योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से ह्यविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसह्ल मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत ह्यइंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशनह्ल(आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जिसका यह संदेश है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जन जागरुकता से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस का उद्देश्य आत्महत्या की मनोवृत्ति पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है ह्यआत्महत्या पर कहानी बदलनाह्ल इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

दुनियाभर के साथ-साथ भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्या की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को करिअर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है। इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या के पीछे अधिकांशतः अवसाद को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल या कठिन परिस्थितियों से बाहर नहीं निकल पाता।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुल कर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग मांगी जा सकती है। कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब और हरियाणा में गहराता जल संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब और हरियाणा में धान की खेती भारत की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, परंतु जल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यह असंधारणीय होती जा रही है। धान की खेती के कारण भूजल का अत्यधिक दोहन होने से इस क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। हरियाणा में 88 जल इकाइयों को अत्यधिक दोहन वाली श्रेणी में रखा गया है। इस समस्या से निपटने के लिए कृषि और जल संसाधन दोनों की सुरक्षा के लिए तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

भूजल का अत्यधिक दोहनः पंजाब और हरियाणा में धान की खेती के लिए अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भूजल स्तर में भारी कमी आई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के 2023 में किए गए अध्ययन में पाया गया कि धान की खेती के लिए अत्यधिक जल दोहन के कारण पंजाब के 87%ब्लॉकों का अति दोहन किया गया। धान की खेती में प्रति किलो चावल के लिए लगभग 4,000-5,000 लीटर जल की खपत होती है, जिससे क्षेत्र के जल संसाधनों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। इसकी तुलना में बाजरे को प्रति किलो केवल 500 लीटर जल की आवश्यकता होती है, जो जल की आवश्यकताओं में भारी अंतर और धान की खेती की असंधारणीय प्रकृति को दशार्ता है। ट्यूबवेल के लिए दी जाने वाली मुफ़्त बिजली ने भूजल के अनियंत्रित दोहन को बढ़ावा दिया है, जिससे यह संकट और भी बढ़ गया है।

पंजाब के किसानों को वर्ष 2023-24 में बिजली, नहर के पानी और उर्वरक के लिए 38,973 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी मिली, जिससे भूजल का निरंतर रूप से अतिदोहन हो रहा है। धान की खेती के कारण बढ़ता जल तनाव, जलवायु परिवर्तन के कारण और भी अधिक हो गया है, अनियमित वर्षा के कारण जलभृतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब और हरियाणा के जल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट से कृषि की दीर्घकालिक व्यवहार्यता को खतरा है।

धान की खेती एकल फसल प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे जैव विविधता कम होती है और मृदा के पोषक तत्व कम होते हैं, जिससे कृषि संधारणीयता में कमी आती है। अध्ययनों के अनुसार फसल चक्रण से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है परंतु धान की खेती ऐसी विविधता को हतोत्साहित करती है। जल की अधिक माँग के कारण रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भी बढ़ जाता है, जिससे मृदा की गुणवत्ता और भी खराब हो जाती है तथा जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं। बाढ़ सिंचाई, धान की खेती में प्रयुक्त होने वाली एक प्रमुख विधि है, जिससे वाष्पीकरण और अपवाह के माध्यम से जल की बहुत बबार्दी होती है। निरंतर धान की खेती से मृदा लवणता बढ़ जाती है, जिससे कृषि भूमि की उत्पादकता कम हो जाती है और यह अन्य फसलों के लिए कम उपयुक्त हो जाती है। धान के खेत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, विशेष रूप से मीथेन के उत्सर्जन में जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ाता है और दीर्घकालिक कृषि व्यवहार्यता को प्रभावित करता है। धान की खेती प्रति हेक्टेयर 5 टन काबोर्डीऑक्सीडे समतुल्य हानिकारक गैस उत्पन्न करती है, जो इसे कृषि उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनाती है।

दालों, तिलहनों और बाजरा जैसी कम जल की खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से जल का उपयोग काफी कम हो सकता है और संधारणीयता में सुधार हो सकता है। पंजाब की 2024 की योजना, धान को छोड़कर वैकल्पिक फसलों को उगाने के लिए 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन की पेशकश करती है, जिसका उद्देश्य विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए धान से अन्य संधारणीय फसलों पर सब्सिडी को पुनर्निर्देशित करना आवश्यक है।

डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों जैसी प्रथाओं को बढ़ावा देने से पैदावार को बनाए रखते हुए जल संरक्षण में मदद मिल सकती है। एमएसपी और खरीद कार्यक्रमों के माध्यम से दालों और तिलहन जैसी फसलों के लिए बाजार आश्वासन सुनिश्चित करने से किसानों के धान के अलावा अन्य फसलों को उगाने का डर, कम हो सकता है। भारतीय खाद्य निगम ने वर्ष 2023 में पंजाब का 92.5% चावल खरीदा, इसी तरह के तंत्र वैकल्पिक फसलों को उगाने की प्रथा को बढ़ावा दे सकते हैं।

फसल विविधीकरण और जल-बचत प्रथाओं के लाभों के संबंध में किसानों को शिक्षित करने से दीर्घकालिक परिवर्तन को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वित प्रयास, पुनर्गठित सब्सिडी, जल-कुशल प्रथाओं और बाजार आश्वासन पर ध्यान केंद्रित करके, पंजाब और हरियाणा को सतत कृषि की ओर उन्मुख किया जा सकता है। इस तरह के सुधार कृषि उत्पादकता को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करेंगे, क्षेत्र के जल संसाधनों को सुरक्षित करेंगे और इसके कृषक समुदायों के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

यूपी बनेगा देश का फूड बास्केट

-योगी सरकार लगातार कर रही उत्पादन बढ़ाने का प्रयास

लखनऊ, 09 सितम्बर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुरू से मंशा रही है कि उत्तर प्रदेश देश का "फूड बास्केट" बने। इस मंशा के पीछे उनके ठोस तर्क हैं। मसलन इंडो गेंगेटिक बेल्ट की सबसे उर्वर भूमि, अलग-अलग फसलों और फलों की खेती के लिए नौ तरह की कृषि जलवायु, वर्ष पर्यन्त पानी की उपलब्धता वाली गंगा, यमुना, सरयू जैसी नदियां, सर्वाधिक आबादी के नाते प्रचुर मात्रा में श्रम और बाजार की उपलब्धता आदि।

–योगी सरकार लगातार कर रही उत्पादन बढ़ाने का प्रयास विभिन्न योजनाओं के जरिए योगी सरकार लगातार फसलों की उपज बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसके नतीजे भी निकले हैं। पर राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अलग-अलग फसलों के उत्पादन पर गौर करें तो अब भी उपज बढ़ाने की बहुत सम्भावना है। सरकार अब इस पर ही फोकस कर रही है। यूपी एग्रीज जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं के केंद्र में भी उपज बढ़ाने को मुख्य घटक माना गया है।

–जिलेवार प्रमुख फसलों के अधिकतम और न्यूनतम उत्पादन के गैप को पाटने का चल रहा कार्य करीब दो साल पहले भी सरकार ने जिलेवार और फसलवार अधिकतम और न्यूनतम उत्पादकता के आंकड़े निकलवाए थे।

इसका मकसद यह जानना था कि किन वजहों से किसी फसल के अधिकतम और न्यूनतम उत्पादन में इतना अंतर है। इस अंतर को पाटने के लिए न्यूनतम उत्पादन वाले जिलों में सम्बंधित फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

-यूपी

एग्रीज में अब कम उत्पादन वाले बुंदेलखंड और पूर्वांचल पर फोकस अब यही कवायद एक बार फिर योगी सरकार विश्वबैंक की मदद से यूपी एग्रीज (उत्तर प्रदेशः कृषि एवम ग्रामीण उद्यमिता सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम) के जरिए अधिक संसाधनों के साथ व्यापक इलाके में समयबद्ध और नियोजित तरीके से जा रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश करीब 24%उत्पादन के साथ कुल कृषि उत्पादन में देश में नम्बर एक है। रबी की प्रमुख फसल गेंहू के मामले में यह नम्बर एक (31%) तो खरीफ की प्रमुख फसल धान के उत्पादनमें इसका देश में दूसरा (15%)है।

–सर्वाधिक उत्पादन वाले राज्यों की तुलना में यूपी राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि कुछ फसलों को छोड़ दें तो इनका प्रति हेक्टेयर उत्पादन प्रति कुंतल राष्ट्रीय एवरेज से कम है। प्रति हेक्टेयर, प्रति कुंतल सर्वाधिक उत्पादन लेने वाले राज्यों की तुलना में तो कम है ही, वैश्विक स्तर के अधिकतम उत्पादन से तो कोई तुलना ही नहीं है। उदाहरण के तौर पर चावल, गेंहू, बाजरा, ज्वार और चना को छोड़ दें तो बाकी प्रमुख फसलों में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक उत्पादन करने वाले राज्यों से पीछे है।

मसलन उत्तर प्रदेश में प्रति हेक्टेयर चावल की उत्पादकता 27.59 कुंतल है तो पंजाब की उत्पादकता 43.66 कुंतल। इसी तरह यूपी में गेंहू का उत्पादन 36.04 पंजाब में 48.62, ज्वार 15.78 आंध्र प्रदेश 30.70, बाजरा 22.21 हरियाणा 23.72, मक्का 23.31 तमिलनाडु 68.20, उर्द 4.98 महाराष्ट्र 5.68 , मूंग 3.58 महाराष्ट्र 5.55, तिल 2.26 पश्चिम बंगाल 9.74, चना,13.76, गुजरात 15.68, अरहर 9.88 झारखंड 11.38, मसूर 9.88 मध्य प्रदेश 11.39, दलहन 10.79 गुजरात 12.75, राई सरसो 14.12, हरियाणा 22.17, तिलहन 10.54 तमिलनाडु 20.43 प्रति हेक्टेयर कुंतल।इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए यूपी एग्रीज ने पूर्वांचल और बुंदेलखंड के उन जिलों को चुना है, जिनका उत्पादन अपेक्षाकृत कम है।

–4000 करोड़ के निवेश से छह साल में 30%उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य सरकार और संस्था को उम्मीद है कि वह किसानों, वैज्ञानिकों के जरिए नवाचार और तकनीक के प्रयोग इनपर 4000 करोड़ रुपये के निवेश के जरिए उत्पादकता में 30 फीसद तक वृद्धि कर सकते हैं।

चूंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों की उत्पादकता पहले से अधिक है। ऐसे में बुंदेलखंड और पूर्वांचल के जिलों की बढ़ी उत्पादकता यूपी को दुनिया का फूड बास्केट बनने के राह पर अग्रसर करेगी। क्योंकि इसके बावजूद भी संभावना अभी बाकी रहेगी।

10 सितम्बर को 647 युवाओं को वन व वन्य जीव विभाग से जोड़ेगी योगी सरकार

लखनऊ, 09 सितम्बर (हि.स.)। योगी सरकार ने 'मिशन रोजगार' के तहत साढ़े सात वर्ष में निष्पक्षता

व पारदर्शिता के आधार पर साढ़े छह लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। हर

विभाग में युवाओं को निरंतर सरकारी नौकरी दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने अगले दो वर्ष में उत्तर प्रदेश के दो लाख से अधिक युवाओं को सरकारी

नौकरी से जोड़ने का ऐलान किया है। इसके लिए तैयारियां भी चल रही हैं। इसी क्रम में

सीएम योगी द्वारा लोकभवन में मंगलवार को 647 युवाओं को वन रक्षक व वन्य जीव रक्षक

पद पर नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा। यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में भी 41 अवर अभियंताओं की तैनाती की गई है।

–वन

रक्षक-वन्य जीव रक्षक पद पर 534 हो चुके चयनित, 647 को फिर

मिलेगा नियुक्ति पत्र

योगी

सरकार ने अन्य विभागों की तरह ही वन व वन्य जीव विभाग में भी पारदर्शी प्रक्रिया

के अनुरूप युवाओं को नौकरी दी है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से

15 युवाओं को नियुक्ति दी जा चुकी है।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निकाली गई भर्ती में मानचित्रकार पद पर

37 और वन

रक्षक/वन्य जीव रक्षक पद पर 534 युवाओं की नियुक्ति की गई है। इसी पद पर 10 सितंबर को 647 अन्य युवाओं को भी नियुक्ति पत्र दिया

जाएगा यानी वन रक्षक और वन्य जीव रक्षक के पद पर कुल 1181 युवाओं की भर्ती हो जाएगी। यह रक्षक

वन्यजीव व मानव संघर्ष को रोकने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेंगे। इसी तरह

क्षेत्रीय वन अधिकारी के पद पर 217 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली।

–प्रदूषण

नियंत्रण बोर्ड में 41 जेई भी हुए नियुक्त वन विभाग

के अतिरिक्त यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में भी युवाओं की जेई पद पर भर्ती की गई।

इसमें 41 अवर

अभियंताओं की तैनाती की गई है। निष्पक्षता के आधार पर मिली नौकरी के उपरांत युवा

काफी पारदर्शिता से अपने कार्यों का संचालन कर रहे हैं।

साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में किया प्रवेश : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आइकिया स्टोर का किया वर्चुअल शिलान्यास

लखनऊ, 09 सितम्बर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा में स्थापित हो रहे आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश ने अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए हैं। आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना देश की अभिनव योजना बन गई है। साथ ही बेहतरीन कानून

ने देश-दुनिया के निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है। आइकिया इंडिया उन्हीं निवेशकों में से एक है।

आइकिया इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश में 5500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के अंदर अब इन्वेस्टमेंट का ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश किया है।

–9 हजार से अधिक युवाओं को प्राप्त होगा रोजगार सीएम योगी ने कहा कि इंग्का सेंटर्स की इस नई परियोजना में आइकिया रिटेल स्टोर, होटल, ऑफिस स्पेस और शॉपिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके माध्यम से 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश की नई संभावनाओं के विकास, स्किल डेवलपमेंट और परम्परागत उत्पादों के प्रोत्साहन में उत्तर व्यवस्था से उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में अग्रणी है।

–भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जो तेजी के साथ भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश ने अपनी औद्योगिक विकास नीति बनाई थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा था कि इन्वेस्टमेंट को एम्प्लॉयमेंट के साथ जोड़ना चाहिए। आइकिया इंडिया के स्टोर का शिलान्यास उसी का परिणाम है।

–यूपी में संभावनाओं का लाभ भारत व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी और प्रतिभावान युवा आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। विगत साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी दर घटी है। 27 अलग-अलग सेक्टर की सेक्टोरियल पॉलिसी के साथ उत्तर प्रदेश भारत के विकास में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी का क्षेत्र इस वर्ष के अंत में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाओं के साथ ही भारत के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ जुड़. जाएगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लॉजिस्टिक की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन इसी क्षेत्र के गौतमबुद्धनगर जनपद में पड़ेगा। उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश है, इसकी सम्भावनाओं का लाभ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है।

कार्यक्रम में स्वीडन के अंबेसडर यॉन थेस्लेफ, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास के राज्यमंत्री जसवंत सैनी, मुख्य सचिव मनोज सिंह, आईकिया इंडिया के सीईओ सुजैन पुल्वरर आदि मौजूद रहे।

कालिंदी एक्सप्रेस पलटाने की साजिश में 6 संदिग्ध हिरासत में

कानपुर, 9 सितंबर (हि.स.)। कानपुर फरुर्खाबाद रेलवे ट्रैक पर शिवराजपुर स्टेशन के नजदीक एलपीजी गैस सिलेंडर

और पेट्रोलियम बम आदि ज्वलनशील पदार्थ रखकर कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की रविवार की रात साजिश की गई थी। इससे रेलवे और पुलिस महकमे में हड़कंप मच हुआ है। सोमवार को एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस छह संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। रेलवे ट्रैक पर जिस प्रकार ज्वलनशील पदार्थ रखा गया, उससे पुलिस को आशंका है कि यह आतंकी घटना हो सकती है।

प्रयागराज से चलकर कानपुर सेंट्रल और अनवरगंज स्टेशन होते कालिंदी एक्सप्रेस रविवार रात भिवानी की ओर जा रही थी। अभी वह शिवराजपुर स्टेशन से पहले ही पहुंच पाई थी कि चालक को रेलवे ट्रैक पर एलपीजी गैस सिलेंडर रखा हुआ दिखा। इस पर चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया और ट्रेन की रफ्तार धीमी हो गई। धीमी रफ्तार पर गैस सिलेंडर टकराया और वह दूर जा गिरा। अगले स्टेशन शिवराजपुर पर चालक ने विभाग को जानकारी दी कि शिवराजपुर स्टेशन के नजदीक इस तरह की घटना सामने आई है और ट्रेन आगे के लिए कुछ देर बाद रवाना हो गई मामले को लेकर आरपीएफ इंस्पेक्टर ओपी मीना की टीम ने मौके का मुआयना किया और वहां पर पेट्रोलियम बम व एक झोले में बारूद सहित अन्य संदिग्ध सामान देखकर उनके होश उड़ गए। मामला संदिग्ध होने पर रेलवे आरपीएफ और जीआरपीएफ की टीम व रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

इधर, कमिश्नरेट पुलिस को सूचना दी गई और जॉइंट पुलिस कमिश्नर हरिश्चंद्र देर रात पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर मिले संदिग्ध सामान को देखकर अधिकारी यह समझ गए कि यह आतंकी घटना हो सकती है। इस पर सोमवार को एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। एटीएस के आईजी ने बताया कि एलपीजी सिलेंडर भरा हुआ था और ट्रेन के इंजन की टक्कर से वह दूर जा गिरा। गनीमत रही कि वह फटा नहीं और हादसा होने से बच गया। घटनास्थल पर एलपीजी गैस सिलेंडर के अलावा एक झोले में बारूद और पेट्रोलियम बम सहित कई संदिग्ध सामान मिले हैं।

फॉरेंसिक टीम साक्ष्य एकत्र कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। जॉइंट पुलिस कमिश्नर हरिश्चंद्र ने बताया कि छह संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही शहर आने वाले जमातियों पर भी नजर रखी जा रही है। रेलवे के अधिकारियों ने शिवराजपुर थाने में तहरीर देकर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ताइक्वांडो : कुंवर ग्लोबल स्कूल ओवर आल चैंपियन, अकादमी श्रेणी में लखनऊ ताइक्वांडो अव्वल

लखनऊ, 09 सितम्बर (हि.स.)। कुंवर ग्लोबल स्कूल ने लखनऊ ओपन इंटर स्कूल श्रीवास्तव पब्लिक स्कूल को मिला।

चैंपियनशिप के समापन व

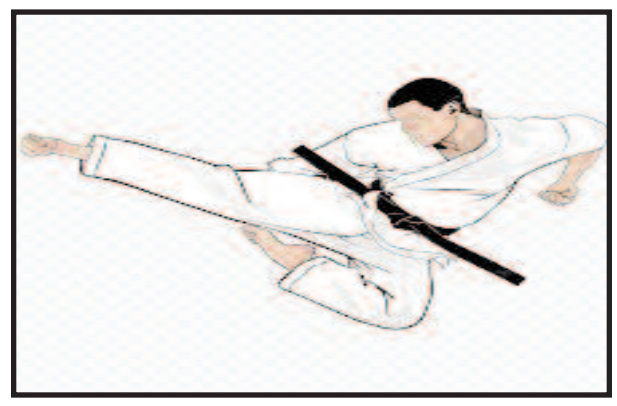

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में 108 अंक के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

दूसरी ओर क्लब और अकादमी श्रेणी में लखनऊ ताइक्वांडो अकादमी 182 अंक के साथ ओवरऑल विजेता बनी।लखनऊ जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में सनराइज ताइक्वांडो अकादमी द्वारा राजाजीपुरम मिनी स्टेडियम में रविवार को आयोजित चैंपियनशिप में कुंवर ग्लोबल स्कूल की टीम 108 अंक के साथ पहले स्थान पर रही। इस श्रेणी में सेंट एंजनीज स्कूल 72 अंक के साथ दूसरे व सिद्धांत वर्ल्ड स्कूल 69 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

क्लब व अकादमी श्रेणी में लखनऊ ताइक्वांडो अकादमी 182 अंक के साथ पहले स्थान पर रही। सनराइज ताइक्वांडो अकादमी 159 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि लखनऊ ताइक्वांडो क्लब को 123 अंक के साथ तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। विशेष पुरस्कारों में एक्टिव पार्टिसिपेशन अवार्ड सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल व बेस्ट डिस्सिलिन्ड टीम अवार्ड उत्कर्ष पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी एवं अति विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेश कुमार शैलू ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व पार्षद शिवपाल सांवरिया व गोमती हेल्थी न्यूट्रीएंट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक राजकुमार बत्रा की भी गरिमामयी मौजूदगी रही।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन व लखनऊ जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने बताया कि इस चैंपियनशिप में लखनऊ के 50 क्लब/स्कूल/अकादमी के 700 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर लखनऊ ताइक्वांडो संघ के कोषाध्यक्ष मोहित कुमार व अध्यक्ष आनंद मणि जुगरान, आयोजन समिति के चेयरमैन मुख्तार अहमद, आयोजन अध्यक्ष मोहसिन खान व आयोजन सचिव बिलाल खान सहित अन्य मौजूद थे।

स्वर्ण पदक विजेता

विहान यादव, काजल पाण्डेय, काव्या सिंह, अर्पिता मौर्या, प्रज्ञायंशी सिंह, नित्रा सिंह, आफिया परवीन, अर्पिता मौर्या, इकरामा, अनमोल यादव, शौर्य प्रताप सिंह, हर्षित, अंश यादव, अंश वर्मा, नैतिक वाल्मीकि, मायरा कुशवाहा, साक्षी दीक्षित, वैभव पटेल, मेहुल शुक्ला, काव्या दिवाकर, आयुष कुमार, अर्चित अवस्थी ने स्वर्ण पदक जीता।

स्वस्थ शरीर ही समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को साकार कर सकता है : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, 9 सितंबर (हि. स.)। प्राचीन काल से ही भारत की परंपरा में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को महत्व दिया गया है। भारतीय ऋषि इस बात का उद्घोष करता है कि 'शरीरमाद्यम् खलु धर्म साधनम्' यानी धर्म के जितने भी साधन हैं, वह स्वस्थ शरीर से ही संभव हैं। स्वस्थ शरीर के लिए खेलकूद, योगासन, प्राणायाम आदि क्रियाएं अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वस्थ शरीर ही समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को भी साकार कर सकता है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। उन्होंने 73 वें अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर-2024 के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। सीएम योगी ने प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों का अभिनंदन किया।

दिव्यांग खिलाड़ियों ने मनवाया अपनी प्रतिभा का लोहा

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत की संकल्पना के लिए जो कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे, उनमें खेल और खेलकूद की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण हैं। खेलो इंडिया खेलो, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता, गांव-राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं। हर तबके का व्यक्ति इन आयोजनों के साथ जुड़ रहा है। पेरिस में पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के जज्बे को पूरा देश और दुनिया देख रही है कि कैसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और तेज का लोहा मनवाने का भी काम किया है। यह दृश्य हमारे लिए इसलिए भी प्रसन्नता का है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत की' परिकल्पना को भी साकार कर रहा है।

कई बार पराजय भी बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त करता है

योगी ने कहा कि खेल अपने कार्य के प्रति समर्पण के भाव के साथ तो जोड़ता ही है, साथ ही साथ जीवन में उतार-चढ़ाव के हर एक मोड़ पर जीतने की भी प्रेरणा देता है। अति प्रफुल्लित होकर अन्य के जीवन में बाधा पैदा करने की जो कुत्सित चेष्टाएं होती है, उसे रोकने का सामर्थ्य भी देता है। अगर किसी कारणों से सफलता नहीं प्राप्त हुई तो हर खिलाड़ी के अंदर शालीनता से उसे स्वीकार करने का भी सामर्थ्य भी पैदा करता है और जीवन इसी से चलता है। बहुत बार पराजय भी बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त करता है।

हमें रचनात्मक कार्यों के साथ भी जुड़ना होगा

मुख्यमंत्री ने पुलिस बल के उपस्थित जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा रहा हो या विभिन्न प्रदेशों में कानून व्यवस्था, सुरक्षा का बेहतरीन माहौल बनाने का मुद्दा। पुलिस अपने इन उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ करने का प्रयास करती है, लेकिन इन सभी के बावजूद अन्य ऐसी गतिविधियां जो समाज को जोड़ती हो, एक दूसरे के मन में विश्वास पैदा करती हो, उन आयोजनों के साथ जुड़ना उतना ही रचनात्मक है और इसीलिए केवल पुलिसिंग ही नहीं, बल्कि हमें अन्य रचनात्मक कार्यों के साथ भी जुड़ना होगा।

मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सीधी भर्ती से जोड़ा गया

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों के लिए व्यापक कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है। हम लोगों ने खेल नीति भी बनाई।

ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड व विश्व चैंपियनशिप में जो खिलाड़ी मेडल प्राप्त करते हैं, उन्हें सीधी भर्ती के माध्यम में उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनाने की कार्रवाई हो रही है। अब तक ऐसे 500 से अधिक खिलाड़ियों को हम लोगों ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सीधी भर्ती करने की कार्रवाई के साथ जोड़ा है। उनके बेहतरीन प्रदर्शन आज उत्तर प्रदेश पुलिस बल को नई गति देने में योगदान दे रहे हैं। खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए 57000 ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, 825 विकास खंडों में मिनी स्टेडियम और 75 जनपदों में स्टेडियम निर्माण के कार्यक्रम को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है।

नाम अलग हो सकते हैं, लेकिन मिशन सबका एक है-भारत की सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि नाम भले ही अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सबका कार्य व मिशन एक ही है और वह है भारत की सुरक्षा। यह हम सभी के लिए सर्वोच्च मायने रखती है। भारत नेपाल सीमा हो या भारत भूटान सीमा, वहां पर इन देशों के साथ भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों पर कोई आंच आए बगैर एसएसबी इन सीमाओं की सुरक्षा के लिए बेहतरीन प्रयास कर रहा है। उत्तर प्रदेश के अंदर साढ़े पांच सौ किमी. की सीमा नेपाल से जुड़ी हुई है।

उत्तर प्रदेश पुलिस एसएसबी के साथ ज्वाइंट पेट्रोलिंग में भाग लेती है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उत्तरदायित्व मिलकर हम एक साथ निभाएंगे तो सीमाओं के क्षेत्र में आमजन का विश्वास भी अर्जित करेंगे।

सुरक्षा के साथ कहीं पर कोई खरोच भी नहीं आने देंगे, इस विश्वास के साथ बेहतरीन तालमेल के माध्यम से यह कार्यक्रम आगे बढ़ते हैं तो अनेक रचनात्मक गतिविधियों को भी वहां पर उस क्षेत्रवासियों के लिए एसएसबी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, सशस्त्र सीमा बल के डीजी दलजीत सिंह चौधरी आदि मौजूद रहे।

राम कुमार वर्मा को देखने रेजीडेंसी हॉस्पिटल पहुंचे भूपेन्द्र चौधरी

लखनऊ, 9 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी लखनऊ के रेजीडेंसी हॉस्पिटल पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह क्षेत्र संघचालक राम कुमार वर्मा से भेंटकर स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ली। रामकुमार वर्मा एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हैं। वह कुर्सी विधानसभा के विधायक सकेंद्र वर्मा के पिता हैं। वह संघ में जिला कार्यवाह से लेकर विभाग कार्यवाह, सह प्रान्त कार्यवाह, क्षेत्रकार्यवाह और सह क्षेत्रसंघचालक जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों पर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी के साथ भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय, एमएलसी अवनीश सिंह पटेल व एमएलसी अंगद कुमार सिंह भी अस्पताल पहुंचे थे।

साथियों पर मुकदमा दर्ज होने से नाराज छात्रों ने किया चक्का जाम, अफसर पहुंचे

वाराणसी, 09 सितम्बर (हि.स.)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गेट नंबर एक के समीप सोमवार को साथियों पर मुकदमा दर्ज होने से नाराज छात्रों ने सिगरा-कैंट मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। सूचना पाते ही पुलिस अफसर फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। चक्का जाम कर धरने पर बैठे छात्रों ने पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगा एक तरफा कार्रवाई का विरोध किया।

दरअसल कुछ दिन पहले इंगलिशिया लाइन स्थित फूलमंडी के व्यापारियों और छात्रों के बीच वाहनों के पार्किंग को लेकर विवाद के बाद मारपीट हो गई। इस मामले में आरोप है कि सिगरा पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई कर छात्रों के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज किया। इसमें भी निर्दोष छात्रों पर मुकदमा किया गया। जो पूरे प्रकरण में शामिल भी नहीं रहे। धरना में शामिल छात्र शिवम तिवारी ने बताया कि छात्रों पर लदे मुकदमें के विरोध में हम लोग धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। फूलमंडी के व्यापारियों ने विश्वविद्यालय के अंदर घुसकर गार्ड को पीट दिया। हम लोगों ने केवल गार्ड की रक्षा के लिए बीच बचाव किया तो मुकदमा हो जाता है। छात्रों की मांग है कि मुकदमा समाप्त किया जाए।

मौके पर पहुंचे डीसीपी काशी जोन गौरव वंशवाल से छात्रों ने कहा कि निर्दोष छात्रों पर लदे मुकदमें वापस लिए जाएं। डीसीपी ने छात्रों की बातों को सुना और छात्रों को समझाने के साथ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब जाकर छात्र माने और विद्यापीठ परिसर में लौट गए।

बिजनौर में गुलदार पिंजरे में कैद

बिजनौर, 09 सितम्बर (हि.स.)। वन विभाग को तीन दिन में गुलदार रेस्क्यू किए जाने की दूसरी सफलता मिली है। इस बार शहर बिजनौर के बाहरी एक किलोमीटर के क्षेत्र में बिजनौर मुरादाबाद मार्ग पर यह कामयाबी हाथ लगी है। यहां रूट्स स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा सीसीटीवी फूटैज, मोबाइल वीडियो के साथ प्रस्तुत प्रार्थना पत्र एवं ग्रामीण जनों द्वारा लगातार इस क्षेत्र में गुलदार देखें जाने की शिकायतें वन विभाग को मिलने के बाद आम जनों व स्कूली बच्चों के सुरक्षार्थ पिंजरा लगाया गया था, जिसमें सोमवार की सवेरे लगभग पांच बजे गुलदार पिंजरे में फंस गया।

उल्लेखनीय है कि गुलदार की ट्रेकिंग करने के बाद विभाग ने रुट्स स्कूल व इन्डियन ढाबे के निकट पिंजरा लगाकर निरंतर निगरानी की, जिसके बाद गुलदार पिंजरे में कैद हुआ। डीएफओ बिजनौर ज्ञान सिहं ने बताया कि गुलदार को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर बिजनौर नर्सरी भेजा गया है। जहाँ गुलदार का परीक्षण किया जायेगा। उच्चाधिकारियों का आदेश मिलने पर गुलदार को भेजा जायेगा।

मालूम हो कि बिजनौर मुरादाबाद मार्ग पर कई स्कूल व कॉलेज हैं, जिनमें हजारों बच्चे शिक्षा के लिए प्रतिदिन आते हैं। गुलदार देखें जाने के बाद अभिभावकों में भी भय व्याप्त था। वही इस रोड पर स्थित कालोनी में रहने वाले लोगों में भी दहशत फैली हुई थी। गुलदार पकड़े जाने के बाद सभी ने राहत की सांस ली है`

मानसिक दृष्टिकोण एवं आत्मविश्वास से हर क्षेत्र में सफलता संभवः बीके पालीवाल

मेरठ, 09 सितम्बर (हि.स.)। विजय सॉल्वेक्स (एडिबल ऑयल्स डिविजन) के पूर्व महाप्रबंधक बीके पालीवाल ने कहा कि सही मानसिक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास से न केवल व्यक्तिगत विकास संभव है, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता भी हासिल की जा सकती है।

शोभित विश्वविद्यालय मेरठ के शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में ह्यमानसिक शक्तियों की अनंत संभावनाएं: सफलता प्रणालीह्न पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरूआत परंपरागत रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य मानसिक क्षमताओं के विकास और उनके सार्थक उपयोग के माध्यम से व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता की राह को प्रशस्त करना था। मुख्य वक्ता बीके पालीवाल ने मानसिक शक्तियों की अनंत संभावनाओं और उनके प्रभावी प्रयोग के बारे में गहन जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि सही मानसिक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास से न केवल व्यक्तिगत विकास संभव है, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता भी हासिल की जा सकती है।

शोभित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीके त्यागी और प्रति कुलपति प्रो. जयानंद ने छात्रों को मानसिक शक्तियों का सदुपयोग कर अपनी क्षमताओं को पहचानने और उनके माध्यम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डीन स्टूडेंट अफेयर्स प्रो. दिव्या प्रकाश ने मानसिक शक्ति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के सटीक मार्ग दिखाए। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अत्यधिक ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक अनुभव बताया। सभी ने माना कि मानसिक शक्तियों का विकास और उनका सही उपयोग जीवन में स्थायी सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। शोभित विश्वविद्यालय का यह आयोजन छात्रों के मानसिक और व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ करने के लिए तैयार करेगा।

काकोरी एक्शन की स्मृति में देशभक्ति से प्रेरित दो अक्टूबर को सचल स्पेशल ट्रेन का होगा संचालन

लखनऊ, 09 सितम्बर (हि.स.)। प्रदेश में काकोरी ट्रेन एक्शन की स्मृति ताजा करने तथा जनमानस में राष्ट्रभक्ति की भावना जाग्रत करने के लिए गांधी जयन्ती दो अक्टूबर के अवसर पर स्पेशल सचल प्रदर्शनी ट्रेन चलेगी। इसके तहत 12 कोच की स्पेशल ट्रेन के माध्यम से सचल प्रदर्शनी पूरे राज्य भर में संचालित कर काकोरी ट्रेन एक्शन के प्रति युवाओं, विद्यार्थियों तथा जनमानस को इसका इतिहास बताया जायेगा। इस सचल रेल प्रदर्शनी के लिए अध्यक्ष एवं सीईओ रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली को प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति की ओर से 05 सितम्बर को पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी वाले स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिताओं, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली आदि का आयोजन किया जायेगा। इसमें स्कूल एवं कालेज की छात्र-छात्राओं को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जायेगा, ताकि उनके मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना एवं नई ऊर्जा का संचार हो सके।

जयवीर सिंह ने बताया कि सचल रेल प्रदर्शनी के लिए 12 कोच की एक विशेष रेलगाड़ी की आवश्यकता होगी, जिसमें 11 कोच प्रदर्शनी के उद्देश्य से प्रयोग में लाये जायेंगे तथा 01 कोच एसी-3 भी लगाया जायेगा, जिसमें संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रतिनिधि यात्रा करेंगे। इस ट्रेन की साज-सज्जा एवं प्रदर्शनी हेतु विनायल आदि की व्यवस्था विभाग द्वारा की जायेगी।

पर्यटन मंत्री ने यह भी बताया कि भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन की महत्वपूर्ण घटना काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ का शुभारम्भ से काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया गया था। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने रेलवे बोर्ड को प्रेषित पत्र में लिखा है कि व्यय एवं यात्रा कार्यक्रम उपलब्ध कराते हुए विशेष रेलगाड़ी की व्यवस्था शीघ्र अतिशीघ्र कराई जाए। ताकि समय से सभी औपचारिकताएं पूरा करते हुए इस सचल प्रदर्शनी ट्रेन को संचालित कराया जा सके। उन्होंने सचल प्रदर्शनी ट्रेन के ठहराव हेतु चिन्हित स्टेशनों की सूची रेलवे बोर्ड को उपलब्ध करा दी गयी है।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के शिक्षकों को मिली बड़ी राहत

लखनऊ, 09 सितम्बर (हि.स.)। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के शिक्षकों को पदोन्नति से संबंधित आर्थिक मुद्दों में बड़ी राहत देखने को मिली है। भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग का कहना था कि शिक्षक अपनी पदोन्नति की तिथि के हिसाब से ही आर्थिक लाभों को पाने के लिए योग्य होंगे। जबकि यूजीसी द्वारा 20 जून 2024 को जारी नोटिस में कहा गया था "कि पात्रता की तिथि को पदोन्नति की तिथि के रूप में बरकरार रखा जाएगा।"

विद्यालय के पीआरओ डॉ. रचना गंगवार ने बताया कि कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा के प्रयासों के फलस्वरुप विश्वविद्यालय में 100 से अधिक शिक्षकों को कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत उनकी एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर एवं सीनियर प्रोफेसर एचएजी की पात्रता की तिथि के हिसाब से बकाया वेतन एवं एरियर का भुगतान किया जाएगा। इससे पूर्व इलाहाबाद विश्वविद्यालय, अलीगढ़ विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय ने इसके संदर्भ में आवेदन किया गया था, जिसे पूर्व में निस्तारित किया जा चुका है।

अतः बीबीएयू में जिन शिक्षकों की पदोन्नति किसी कारणवश रुकी हुई है, वह अपनी पात्रता की तिथि के हिसाब से सभी तरह के आर्थिक लाभों को पाने के लिए योग्य हैं।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में गाजे बाजे संग निकली श्रीजी की भव्य पालकी यात्रा

मुरादाबाद, 09 सितम्बर (हि.स.)। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के कुलाधिपति सुरेश जैन, ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन ने सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति में पर्वाधिराज दसलक्षण महामहोत्सव में सोमवार को प्रथम दिवस- उत्तम क्षमा के अवसर पर जिनालय पर ध्वजारोहण से दशलक्षण महापर्व का शुभारंभ हुआ।

ध्वजारोहण के दौरान विधि-विधान की प्रक्रिया प्रतिष्ठाचार्य ऋषभ जैन शास्त्री जी के सानिध्य में हुई।

आज श्रीजी को पालकी में विराजमान करने का सौभाग्य श्री अंकित जैन को प्राप्त हुआ। दिव्यघोष के बीच श्रीजी को मंदिर से रिद्धि-सिद्धि भवन तक लाया गया, जिसमें श्रावक-श्राविकाओं नृत्य आदि में मंत्र-मुग्ध हो गए। श्रीजी का समोवशरण रिद्धि-सिद्धि भवन में किया गया। पालकी को उठाने का सौभाग्य सर्वज्ञ जैन, मनीष जैन, वर्तमान जैन, श्रेयांस जैन को मिला।

दिव्यघोष के दौरान श्रावक केसरिया धोती-दुपट्टा पहने थे, जबकि श्राविकाएं केसरिया कुर्ता- सफेद सलवार, नारंगी चुनरी के संग पहनी थी, जबकि कुलाधिपति, जीवीसी और ईडी परम्परागत परिधान धारण किए हुए थे। इनकी भव्यता देखते ही बनती थी। रिद्धि-सिद्धि भवन में भोपाल की सिद्धार्थ जैन एंड पार्टी ने आस्थामय भजन सुनाकर माहौल भक्तिमय कर दिया।

मुविवि के दीक्षान्त समारोह में आजमगढ़ की आरती को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

प्रयागराज, 09 सितम्बर (हि.स.)। उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 19वां दीक्षान्त समारोह 11 सितम्बर को पूर्वान्ह 10:30 बजे सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित है। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय बोधगया के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह दीक्षान्त भाषण देंगे। यह जानकारी सोमवार को मुक्त विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने पत्रकारों को दी।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष शिक्षार्थियों को 26 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 16 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 10 स्वर्ण पदक छात्रों की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर, 2023 तथा जून, 2024 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 31,940 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 19,096 पुरूष तथा 12,844 महिला शिक्षार्थी हैं।

कुलपति ने बताया कि कुलाधिपति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ की छात्रा आरती यादव को दिया जायेगा। विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए 05 गांव में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत कुल 27 विद्यार्थियों को राज्यपाल पुरस्कृत करेंगी। साथ ही आंगनबाड़ी को 10 किट प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वविद्यालय के मोबाइल ऐप का शुभारम्भ करेंगी तथा गंगा परिसर में नवनिर्मित बैंक के भवन का लोकार्पण भी करेंगी।

अंत में कुलपति ने बताया कि दीक्षान्त समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा उच्च शिक्षा राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमती रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

प्रेस वार्ता में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

मंगेश यादव का हुआ फर्जी एनकाउंटर मामले की कराई जाए उच्च स्तरीय जांचः अजय राय

जौनपुर, 09 सितम्बर (हि.स.)। बक्सा थाना क्षेत्र अगरौरा गांव में सोमवार को पहुंचे कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जनपद सुल्तानपुर एनकाउंटर मामले में मारे गए मंगेश यादव के परिजनों

से मुलाकात कर ढाढ़स बंधाया। हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अजय राय ने एनकाउंटर को फर्जी बताया और कहा कि इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

उन्होंने मांग किया है कि एनकाउंटर पूरी तरह से गलत है, इसकी जांच जैसा परिवार के लोग चाहते हैं वैसे होनी चाहिए। अजय ने कहा कि योगी जी का साफ तौर पर कहना है कि जो उनके साथ चलेगा वह जिंदा रहेगा। गोरखपुर में भी एक उपाध्याय परिवार के बेटे को मरवाया है। मंगेश अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था। योगी जी कह रहे हैं कि हमने डकैत को मारा है तो क्या डकैती करने वाला अपने घर पर सोएगा। यदि डकैत होता तो क्या घर में छिपेगा। इसकी जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान जज से कराई जाए। इससे मामला साफ हो और यही परिवार वालों की मांग भी है। यह पूरी तरह से हत्या की गई है, जो भी इनके खिलाफ खड़ा हो रहा है उसकी हत्या कराई जा रही है। इनको लगता है कि जो भी इनके खिलाफ खड़ा हो उसकी हत्या कर दो।

जितने भी अपराधी हैं वह सब इस समय भारतीय जनता पार्टी के विधायक मंत्री बने हुए हैं। सरकार की तरफ से दबाव बनाकर अधिकारियों से काम करवाया जा रहा है।

जिस एसटीएफ के अधिकारी ने एनकाउंटर किया उसकी पत्नी को महिला आयोग का सदस्य बनाया गया। सरकार पूरी तरीके से अपनी मनमानी चला रही है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। हमारे पार्टी द्वारा जो भी संभव मदद होगी कराई जाएगी।

इस मामले में दो दिन पूर्व समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य लाल बिहारी यादव ने भी मंगेश यादव घर पहुंचकर परिजनों को शांत्वना देते हुए इस पूरे मामले की जांच की मांग की थी।

उन्होंने भी योगी सरकार पर आरोप लगाया था कि सरकार जाति देख लोगों को मार रही है। इस सरकार में ज्यादातर यादव और मुस्लिम को निशाना बनाया जा रहा है जबकि क्षत्रिय वर्ग को दूर रखा गया है।

प्रतापगढ़ : सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार अधिवक्ता की मौत

प्रतापगढ़, 09 सितम्बर (हि. स.)। लालगंज कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को मोटरसाइकिल से न्यायालय जा रहे अधिवक्ता लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैक्टर की टक्कर से घायल हो गया। ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

घायल अधिवक्ता को ट्रामा सेंटर ले जाया गया। अधिवक्ता के घायल होने की सूचना जैसे ही लालगंज तहसील में अधिवक्ताओं को मिली अधिवक्ताओं का बड़ा समूह ट्रामा सेंटर पहुंच गया।

घायल अधिवक्ता की ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई।

नगर कोतवाली क्षेत्र के पूरे ईश्वर नाथ गांव निवासी अधिवक्ता मनीष मिश्र मारूत रविवार को अपनी ससुराल सालोन जनपद रायबरेली गए थे। सोमवार सुबह अधिवक्ता ससुराल से कचहरी जा रहे थे। लालगंज कोतवाली से महज चार सौ मीटर की दूरी पर हाईवे पर ट्रैक्टर ने अधिवक्ता की बाइक में टक्कर मार दिया जिससे वह गिर गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना देते हुए ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना पर वकीलों का हुजूम ट्रामा सेंटर पहुंच गया। मृतक अधिवक्ता के परिजन ट्रामा सेंटर पहुंचे, जहां बेटे का शव देखकर रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुरादाबाद में दूसरे दिन भी मूसलाधार बारिश शुरू, उमस और गर्मी से मिलेगी राहत

मुरादाबाद, 09 सितम्बर (हि.स.)। मुरादाबाद में सोमवार को दिनभर की उमस भरी गर्मी के बीच अपराह्न चार बजे झमाझम मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इससे उमस और गर्मी से काफी हद तक राहत मिलेगी। वहीं जिले में रविवार को भी दोपहर में दो-तीन घंटे की बारिश से मौसम सुहावना हो गया था।

मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा। झमाझम बारिश से महानगर की कॉलोनी और मोहल्ले में पानी भर गया। इससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें हो रही हैं। सोमवार को भी मुरादाबाद में सुबह से तेज धूप छाई रही और उमस भरी गर्मी पड़ी लेकिन अचानक अपराह्न 4 बजे देखते ही देखते अंधेरा छा गया और बिजली की तेज गड़बड़हट के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इस बारिश से मौसम सुहावना हो गया और उमस और गर्मी से सभी को राहत मिली।

राजकीय इंटर कॉलेज में मौसम प्रयोगशाला प्रभारी निसार अहमद ने बताया कि मंगलवार को भी मौसम इसी तरह से बना रहेगा। काली घटाओं के साथ तेज बारिश होने की संभावना रहेगी। उन्होंने बताया कि इस बारिश से मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पर रुक गया है। वहीं आज का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा।

महिलाओं को आगे बढ़कर अपने अधिकारों की स्वयं करनी होगी रक्षा : शालू

कानपुर, 9 सितंबर (हि.स.)। महिलाओं को आगे बढ़कर अपने अधिकारों की स्वयं रक्षा करनी होगी। यह बात सोमवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा अंगीकृत संविलियन विद्यालय अनूपपुर में वाद विवाद प्रतियोगिता की थीम महिला सशक्तिकरण रखा गया जिसमें बोलते हुए कक्षा 7 की छात्रा शालू ने कही।

शालू ने कहा की पर्दा बड़ों की इज्जत नहीं महिलाओं को पीछे रखने का एक तरीका है। वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कियो कक्षा 3 से 5 के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छ भारत अभियान पर निबंध लिखे, जबकि भोजन खाने के फायदे विषय पर भाषण दिया।

स्वच्छता का महत्व विषय पर जूनियर ग्रुप ने चित्रकारी की कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतियोगिताओं के पहले तीन विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

कुलपति चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया इस तरह की प्रतियोगिता जितने भी अंगीकृत गांव हैं।

उनके सभी तरह के विद्यालयों में कराई जानी है साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रो पर भी कराई जानी है आंगनबाड़ी केंद्रो की विजेता और विद्यालय के विजेता छात्र-छात्राएं 4 अक्टूबर को होने वाले दीक्षांत समारोह में उपस्थित होंगे। कुलाधिपति विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित भी करेंगी।

कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा, प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह, मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, और गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी व गौरव

शुक्ला ने उपस्थित रहकर संपन्न कराया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका गीता देवी, सुषमा कुमारी पाल सहायक अध्यापिका,कमला देवी, सहायक अध्यापिका,शालिनी सहायक अध्यापिकारीना सिंह, अनुदेशक के साथ आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुषमा पाल उपस्थित रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में रिया, नित्या, काजल क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय रहे जबकि निबंध प्रतियोगिता में अतुल, रोशनी व कृष्णा प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे।

जौनपुर में राजा यादवेंद्र दत्त की मनायी गयी 25वीं पुण्यतिथि

उत्तर प्रदेश, 9 सितंबर जौनपुर (हि.स.)। राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर में स्व. राजा यावदेन्द्र दत्त दुबे की 25वीं पुण्यतिथि सोमवार को राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के नव निर्वाचित प्रबंधक सत्यराम प्रजापति व प्राचार्य डॉ.शम्भू राम, ने राजा साहब के प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

जौनपुर रियासत के ग्यारहवें राजा की हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत के साथ विज्ञान व ज्योतिष पर पकड़ रही। भारतीय जनसंघ व भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से वह एक रहे। चार बार विधायक, नेता विरोधी दल व दो बार सांसद चुने गये । राजनीति के पुरोधा व जौनपुर के राजा यादवेंद्र दत्त दुबे की आज पुण्यतिथि है। नौ सितंबर 1999 को प्रातः 9 बजे इस दुनिया में अपने नश्वर शरीर को छोड़कर जाने वाले इस राजनीतिज्ञ को दो दशक से अधिक समय हो गए हैं, लेकिन आज भी उनकी यादें लोगों के बीच ताजा हैं।

वे जौनपुर रियासत के 11 वें व अंतिम राजा थे। वह राजनीति के ऐसे धुरंधर थे,जो अपनी बुद्धिमत्ता व कौशल के दम पर शीर्ष पर पहुंचे। वे हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत धारा प्रवाह बोलते थे तो विज्ञान, ज्योतिषी की भी अच्छी जानकारी रखते थे। वह जनसंघ व भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। चार बार विधायक व दो बार सांसद चुने गए। उत्तर प्रदेश की विधानसभा में नेता विरोधी दल भी रहे। उनकी राजनीतिक कद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता हैं कि उनके सामने अटल बिहारी वाजपेयी सम्मान में बैठते तक नहीं थे। पं.दीनदयाल उपाध्याय ने 1963 का उपचुनाव उनकी हवेली में एक माह रूककर लड़ा था। इनका संबंध आरएसएस के बड़े प्रचारकों से रहा, जिनका अक्सर यहां आना-जाना लगा रहता था। राजा यादवेंद्र दत्त के करीबी रहे व वर्तमान में राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष डा.अखिलेश्वर शुक्ला ने बताया कि एक बार लोकसभा में राजा साहब अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर बोल रहे थे, उनकी वाकपटुता को पूरा सदन एकाग्रता से सुन रहा था। उनका समय समाप्त होने पर लोकसभा अध्यक्ष ने उनको रोकना शुरू किया। इस पर अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवानी ने अपना समय लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह करके दिला दिया। उसी समय कांग्रेस नेता स्टीफेन ने टोका-टाकी शुरू कर दी तो राजा साहब ने उनको भोजपुरी भाषा में समझाते हुए कहा कि तोहार उमर चालीस होई आई, अवै न गई तोहार लरिकाई। इस पर पूरे सदन में ठहाका लगना व ताली बजना शुरू हो गया। महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने राजा साहब की पुरानी यादों के माध्यम से उनको याद करके अपनी श्रद्धांजलि दी।

अटल आवासीय विद्यालय में 11 सितम्बर से शुरू होंगी कक्षाएं

वाराणसी, 09 सितम्बर(हि.स.)। प्रदेश की योगी सरकार के दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति से निर्माण श्रमिकों और कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देने का संकल्प अब पूरा हो रहा है। अटल आवासीय विद्यालय अपने दूसरे सत्र में पहुंच गया है। 2024-25 का नया शैक्षणिक सत्र 11 सितंबर से प्रारम्भ होगा। इस सत्र में जिले में करसड़ा स्थित अटल आवासीय विद्यालय के क्लास 06 और 09 में 245 बच्चों का दाखिला हुआ है। महंगे निजी कॉन्वेंट स्कूल को टक्कर देते सीबीएसई बोर्ड के बोर्डिंग अटल आवासीय विद्यालय में विज्ञान के लिए प्रोत्साहित करने के साथ विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जा रहा है।

कक्षा छह में 125 व 9 में 120 का हो चुका है दाखिला

बच्चों को संस्कार, मूल्य और नैतिकता आधारित शिक्षा से सिंचित करने के लिए योगी सरकार अटल आवासीय विद्यालय में बच्चों को तैयार कर रही है। वाराणसी के उप श्रमायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय में वर्ष 2024-25 में कक्षा 6 में 125 विद्यार्थियों, कक्षा 9 में 120 विद्यार्थियों का दाखिला हुआ है। प्रथम शैक्षणिक सत्र 2023-24 में क्लास 6 में 80 विद्यार्थियों का प्रवेश अटल आवासीय विद्यालय में किया गया था। यह बच्चे उत्तीर्ण होकर अब क्लास 7 में पहुंच गए हैं, जिसमें 40 बालक और 40 बालिकाएं है। कक्षा 6 और 9 में 140-140 बच्चों की सीट है। दोनों ही कक्षाओं के रिक्त सीटों के सापेक्ष नामांकन की प्रक्रिया जारी है।

10 सितंबर तक दाखिला पाए सभी छात्र -छात्राएं स्कूल में पहुंचेंगे

अटल आवासीय विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अमरनाथ राय ने बताया कि प्रवेश की प्रक्रिया के बाद सत्र 2024-25 के लिए 11 सितंबर से दूसरा सत्र प्रारंभ होगा। छात्र-छात्राओं का स्कूल पहुंचना शुरू हो गया है। 10 सितंबर तक दाखिला पाए सभी छात्र -छात्राएं स्कूल में पहुंच जाएंगे।

नए सत्र में प्रवेश लेने वाले वाराणसी मंडल में विद्यार्थियों की संख्या

कक्षा–6
जनपद -बालिका —बालक
वाराणसी– 24 – 15
जौनपुर– 6 –8
गाजीपुर –26 –10
चंदौली –7–29
कक्षा -9
जनपद–बालिका —बालक
वाराणसी –20 –13
जौनपुर – 6 –2
गाजीपुर –22 –18
चंदौली –12–17

राजनीतिक दलों में अनूठी पार्टी हैं भाजपा : कामेश्वर

देवरिया, 9 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा जिला पंचायत सभागार में आयोजित सदस्यता अभियान में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने उपस्थित किसानों को मिस्ड काल के माध्यम से पार्टी की सदस्यता ग्रहण सोमवार को कराई। इस दौरान किसान मोर्चा के कार्यकर्ता मुखलाल ने किसानों को प्रेरित करने वाला सुंदर गीत भी प्रस्तुत किया ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो हैं । साथ ही राजनीतिक दलों में अनूठी पार्टी भी हैं। कोई राजनीतिक दल लोकतांत्रिक तरीके से हर 6 साल में सदस्यता अभियान नहीं करता। उन्होंने कहा कि भाजपा के संविधान के मुताबिक, हर 5-6 साल बाद नए सिरे से सबको फिर से पार्टी का सदस्य बनाया जाता हैं।

कोरोना संकट के समय यह सदस्यता अभियान सीमित रूप से नही चल पाया था, लेकिन अब 2 सितंबर से पार्टी फिर से पूरे देश में अपना सदस्यता अभियान शुरू कर चुकी है और पिछले तीन दिन में ही पार्टी ने 1 करोड़ सदस्य बना लिए हैं । उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 तक चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी हुआ करती थी । लेकिन 2014 में जब भाजपा के 11 करोड़ सदस्य बने, उसके बाद भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। इस बार किसान मोर्चा की जिले की इकाई को हर मंडल में 1100 सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला हैं । मोर्चे की जिला इकाई 35 हजार सदस्य बनाने का संकल्प लेकर चल रहीं हैं । भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे जनपद में पार्टी के कार्यकर्ता हर बूथों .पर जाकर सदस्यता का कार्य कर रहें हैं । उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर पार्टी कैंप लगाकर भी सदस्यता कर रहीं हैं । मुझे पूरा विश्वास है सदस्यता अभियान का जो लक्ष्य हमे मिला हैं उससे कहीं अधिक सदस्य बनाकर हम पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेंगे ।

जिला प्रभारी संतराज यादव ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर पार्टी का लक्ष्य फिलहाल 10 करोड़ से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाना है। जिन राज्यों में चुनाव की घोषणा हो गई है, उन राज्यों में यह सदस्यता अभियान बाद में चलाया जाएगा। जिससे पार्टी की कुल सदस्यता में बाद में और ज्यादा इजाफा होगा।

किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा ने कहा कि अमित शाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल में 2014-15 में 11 करोड़ लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। वर्ष 2019 में चले सदस्यता अभियान में 7 करोड़ लोग शामिल हुए थे ।

किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने कहा कि यानी 2019 तक लगभग 18 करोड़ लोग भाजपा के सदस्य बने थे। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा के जिला महामंत्री काशीपति शुक्ला ने किया । कार्यक्रम को किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बंधु उपेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया ।

इस दौरान किसान मोर्चा के जिला महामंत्री भगवान यादव, रविंद्र कुंवर राय, दिनेश पांडे, हृदय लाल शर्मा, मुकेश कुमार राय, ओमप्रकाश चौरसिया, विवेक मणि, अजय दुबे वत्स, गिरिजेश सिंह, वाई के तिवारी, सुमंत चतुर्वेदी, विद्यासागर मिश्रा, सुनील चतुर्वेदी, सुशील सिंह, दिवाकर चंद्र यादव, बलवंत सिंह, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

कृषि मंत्री ने वरिष्ठ कार्यकर्ता को सदस्यता ग्रहण कराई

भाजपा सदस्यता अभियान 2024 के अंतर्गत सोमवार को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने देवरिया में अपने राघव नगर स्थित आवास पर वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता नथुनी सिंह कुशवाहा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई ।

सहकारिता प्रकोष्ठ द्वारा महा सदस्यता अभियान का शुभारंभ

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ द्वारा महा सदस्यता अभियान 2024 के अवसर पर भूमि विकास बैंक क्वापरेटिव चौराहा पर आयोजित कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने सम्बोधित कर अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान हेतु समर्पित भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने के लिए सभी से अपील किया।

नल से पानी भरने को लेकर हुए विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या

अमेठी, 09 सितम्बर (हि.स.)। जायस कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में सोमवार को मामूली विवाद पर छह से अधिक लोगों ने मिलकर युवक को इस कदर पीटा की अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी मृत्यु हो गई। नल से पानी भरने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था।

जायस कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पूरे गंगाराम मजरे बहादुरपुर गांव निवासी रामदेव के इकलौता पुत्र संतोष (25) बाजार से सामान लेकर अपने घर वापस लौट रहा था। तभी घात लगाए छह से अधिक बदमाशों ने संतोष पर हमला बोल दिया। संतोष की पीटने के बाद हमलावर भाग निकले। वह किसी तरह घर पहुंचा, इसके बाद घरवालों ने तत्काल 112 पुलिस को फोन कर सूचित किया। घायल संतोष के घर पहुंचकर मामले को लेकर पूछताछ के बाद वापस चली गई।

थोड़ी देर बाद घायल की हालत खराब होने लगी। तब घर वालों ने तत्काल एम्बुलेंस को फोन किया। एम्बुलेंस के पहुंचने से पहले घर पर ही घायल संतोष की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए जांच एवं आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुट गई।

पुलिस क्षेत्राधिकारी तिलोई अजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कवि कुमार विश्वास को मिली जान से मारने की धमकी, मैनेजर ने दर्ज कराई प्राथमिकी

गाजियाबाद, 9 सितंबर (हि.स.)। कवि और राम कथा वाचक डॉ. कुमार विश्वास को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। किसी कॉलर ने डॉ. विश्वास को शनिवार को उस समय धमकी दी जब वह सिंगापुर में श्रीराम कथा कर रहे थे। इस सम्बंध में उनके मैनेजर प्रवीण पांडेय ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कॉलर के नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई। जांच में पता चला है कि कॉल मुंबई से आई थी और कॉलर उस समय शराब के नशे में थे। जल्द ही कॉलर की गिरफ्तारी की जाएगी। मैनेजर ने प्रवीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उनकी और डॉ. विश्वास की जान को खतरा है। कॉलर ने न तो अपना नाम बताया और न ही किसी संगठन का नाम लिया। वह सीधे डॉ. विश्वास का नाम लेकर गाली गलौज की और राम कथा करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मैनेजर ने कहा है कि धमकी प्रकृति को देखते हुए इसे गंभीरता से लेना जरूरी है और इस संबंध में वह हर समय पुलिस का सहयोग करने के लिए तैयार हैं। डॉ. विश्वास इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के वसुंधरा इलाके में रहते हैं। तहरीर में कहा गया है कि कॉलर ने बहुत ही अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया और करते हुए डॉ. विश्वास को धमकी दी है। इस धमकी के बाद मेरी और डॉ. विश्वास की सुरक्षा को लेकर खतरा उत्पन्न हो गया है।

भाजपा सरकार के खिलाफ जिला मुख्यालय पर 13 सितम्बर को सपा देगी धरना

बलिया, 9 सितंबर (हि.स.)। समाजवादी पार्टी की बैठक सोमवार को पार्टी के जिला कार्यालय पर हुई।

जिसमें तय किया गया कि बीजेपी की जनविरोधी सरकार का पदार्फाश करने के लिए 13 सितम्बर को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। बैठक में धरना सभा को सफल बनाने के लिए सभी सेक्टर प्रभारियों से लेकर सांसदों तक को जिमेदारी सौंपी गई।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि बीजेपी सरकार हर मोर्चे पर विफल है। बुलडोजर पर सवार मुख्यमंत्री अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए रोज फर्जी इनकाउंटर करा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश आज हत्या प्रदेश बन गया है। 13 सितम्बर का धरना इस सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वाहन साबित होगा।

पूर्व मंत्री मो. रिजवी ने कहा कि थाने और तहसील भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं और बीजेपी संरक्षक है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिलाध्यक्ष संग्राम सिंह यादव ने कहा कि जिस प्रकार आपातकाल के समय आन्दोलन का मुख्य केंद्र बलिया था उसी प्रकार वर्तमान जनविरोधी सरकार को हटाने में भी बलिया ही आगे रहेगा। 2027 में बीजेपी का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

बैठक में विधायक जयप्रकाश अंचल, डा. विश्राम यादव, यशपाल सिंह, सुशील कुमार पाण्डेय कान्हजी, राज कुमार पाण्डेय, सन्तोष राम, साथी रामजी गुप्ता, शशिकांत चतुर्वेदी, जमाल आलम राजन कनौजिया, राजेश गोड, हरेंद्र गोड,रोहित चौबे, जलालुदीन जेडी, मदन राय, जयप्रकाश यादव मुन्ना, अजय यादव आदि थे। संचालन जिला महासचिव बीरबल राम ने किया।

सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने निकाली पैदल यात्रा

जालौन, 9 सितंबर (हि.स.)। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर सोमवार को पैदल यात्रा निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचे। सैकड़ों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया और 22 किलोमीटर की सड़क बनवाने की मांग की। उन्होंने तीन माह पहले हुई सड़क मरम्मत में धांधली का आरोप लगाया और कार्य से संबंधित जेई और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों ने सड़क न बनने पर अनिश्चित कालीन धरने की चेतावनी दी और उरई-इटौरा मार्ग जल्द बनाए जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि सड़क की बदहाली के कारण उन्हें बहुत परेशानी होती है और कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी मांगों के लिए लड़ते रहेंगे और सड़क निर्माण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

कल को बेहतर बनाने के लिए आज वृक्षारोपण बहुत जरूरी: विक्रमादित्य मलिक

गाजियाबाद, 9 सितंबर (हि.स.)। जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए गाजियाबाद नगर निगम लगातार पौधरोपण को बढ़ावा दे रहा है। जिसमें गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पूर्व में भी मियांवकी पद्धति से प्लांटेशन किया गया वहीं पौधे अब वृक्ष का रूप ले चुके हैं। इसी क्रम में सिद्धार्थ विहार स्थित निगम की रिक्त भूमि 6 एकड़ जमीन में लगभग एक लाख पौधे लगाने की शुरूआत की गई' जिसका शुभारंभ नजर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने किया।

उद्यान प्रभारी डॉ अनुज ने बताया गया टाटा स्टील लिमिटेड के सहयोग से सिद्धार्थ विहार में निगम की 6 एकड़ भूमि पर मियांवकी पद्धति से वृहद स्तर पर प्लांटेशन कराया गया। जिसकी शुरूआतनगर आयुक्त ने की गई । लगभग 100000 पौधारोपण किया जाएगा जिसकी 3 साल तक जिम्मेदारी टाटा स्टील लिमिटेड की होगी। इस प्रकार में मियावकी पद्धति से अनेकों स्थान पर पौधारोपण का कार्य निरंतर चल रहा है प्रताप विहार वार्ड संख्या 15 में भी 10000 पौधे मियांवकी पद्धति के अंतर्गत लगाए गए '

इस अवसर पर नगर आयुक्त गाजियाबाद द्वारा शहर वासियों को भी प्लांटेशन के प्रति जागरूक किया । कार्यक्रम में उपस्थित सभी टाटा स्टील लिमिटेड कंपनी के कर्मचारियों को भी अधिक से अधिक अपने आसपास वृक्षारोपण करने के लिए मोटिवेट किया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि कल को बेहतर बनाने के लिए आज पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। जिससे शहर के आसपास के प्रदूषण को काम करने तथा एक अच्छा वातावरण बनाए रखने में काफी मदद मिलेगी। शहर वासियों को पौधारोपण के लिए जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में निगम अधिकारियों के साथ-साथ टाटा स्टील लिमिटेड से मनीष मिश्रा चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स, मुकेश कुमार प्लांट हेड साहिबाबाद व अन्य कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे'

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के सदस्यों ने धर्मांतरण का किया विरोध

फतेहपुर, 9 सितंबर (हि.स.)। जिले में सोमवार को बिन्दकी स्थित चर्च पहुंची पुलिस ने पादरी सहित कई लोगों से पूछताछ किया। सभा में आने वाले लोगों से भी इस बारे में जानकारी ली। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल के सदस्यों ने धर्मांतरण का विरोध कर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की।

आज लगभग 11:00 बजे बिन्दकी कोतवाली के मोहल्ला बाराती नगर स्थित चर्च कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडे, वरिष्ठ उप निरीक्षक सत्यदेव सिंह गौतम तथा कस्बा इंचार्ज नीरज कुमार कुशवाहा पुलिस बल के साथ पहुंचे। वहां पर मौजूद पादरी मुकुट सिंह राजपूत से पूछताछ किया। मौजूद अन्य लोगों से भी पूछताछ किया। चल रही सभा के बारे में जानकारी ली और कौन-कौन आता जाता है, इसके बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

इस मौके पर मौजूद विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष राजेश सिंह गौतम ने कहा कि उन्हें जानकारी हुई कि यहां पर धर्म परिवर्तन से संबंधित कुछ कार्यक्रम चल रहा है। इसलिए अपने साथियों के साथ यहां पर पहुंचे हैं।

बजरंग दल के विमलेश कुमार बाजपेई ने कहा कि यहां काफी लोग मिले हैं। पुलिस आई है। मामले की जांच कर रही है।

इस मौके पर बजरंग दल के नगर सहसंयोजक सजल शर्मा, बजरंग दल विद्यार्थी प्रमुख हर्षित द्विवेदी तथा बजरंग दल के धीरू पटवा अनिल कुमार तथा अभय सोनी आदि मौजूद रहे।

इस मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडे ने कहा कि बिना अनुमति के सभा करने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसलिए वह आए थे। पादरी तथा अन्य मौजूद लोगों से पूछताछ कर जांच की जा रही है।

कैप्टन मोहन बिश्नोई की स्मास मास्टर टीम ने जीती राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग

-कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ मुरादाबाद के तत्वावधान में सोनकपुर स्पोर्टस स्टेडियम में सम्पन्न हुई लीग

मुरादाबाद, 09 सितम्बर (हि.स.)। कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ मुरादाबाद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग में कैप्टन मोहन बिश्नोई की टीम स्मास मास्टर कांठ बैडमिंटन प्रीमियर लीग की विजेता बनी। बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी ने बताया कि स्मास मास्टर टीम ने कैप्टन खुर्शीद की फीदर फोर्स टीम को 3-2 से शिकस्त दी। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कैप्टन मोहन बिश्नोई की टीम स्मास मास्टर को ट्राफी प्रदान की।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम रामगंगा विहार में देर रात्रि जीती राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग सम्पन्न हुआ। कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ के प्रबंधक अचल विश्नोई ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग में मुरादाबाद के अलावा बरेली, आगरा, बिजनौर, बदायूं, अमरोहा, संभल आदि जनपदों के खिलाड़ी प्रतिभा किया। प्रीमियर लीग में 4 टीमों में 72 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रत्येक टीम में 18-18 खिलाड़ी शामिल रहे। लीग मैच के बाद सेमीफाइनल और अंत में फाइनल मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता का परिणाम देर रात्रि 1 बजे घोषित हुआ। समापन के मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि खेल में हार जीत से फर्क नहीं पड़ता जो अच्छा खेलता हैं उसे सफलता मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा कि सफलता न मिलने पर हमें अपनी कमियों पर मंथन करना चाहिए। इससे हमें भविष्य में निश्चित ही जीत मिलेगी।

प्रतियोगिता बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी के निर्देशन में सम्पन्न हुई। प्रीमियर लीग क्लोसिंग सेरेमनी का संचालन निमित जायसवाल ने किया। सभी का आभार मोहन विश्नोई अचल विश्नोई ने व्यक्त किया। इस मौके पर आयोजकों के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि स्प्रिंगफील्ड कालेज के प्रबंध विपिन जेटली, पूर्व जूडो कोच सतीश चंद्र शर्मा, बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी, भाजपा पार्षद सुरेंद्र विश्नोई, योगेश शर्मा, आयोजक मंडल से मोहन विश्नोई, रोमी माहेश्वरी, सोहन विश्नोई, दीपक विश्नोई, आशीष, गोविंद सिंह मटेला, दीपक भारद्वाज, मनीष भट्ट, आयुष बजाज, रोहित अग्रवाल, आशु यादव, नरेंद्र बिश्नोई, डा हिमांशु यादव, देशकांत त्यागी आदि रहे।

सच्ची भक्ति और समर्पण ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म है-साध्वी श्वेतिमा माधव प्रिया

गोरखपुर, 9 सितंबर (हि.स.)। जय गणेश मित्र मंडल द्वारा गणपति महोत्सव पर भस्मा डवरपार में अयोजित श्रीमद भागवत कथा के द्वितीय दिवस का आयोजन भी अत्यंत भव्य और अद्भुत रहा। कथा व्यास प्रिय साध्वी श्वेतिमा माधव प्रिया जी ने अपनी मधुर वाणी और गहन आध्यात्मिक ज्ञान से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी कथा की सरलता, मृदुता और भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी के हृदयों को छू लिया और कथा स्थल पर एक विशेष आध्यात्मिक वातावरण निर्मित कर दिया।

दूसरे दिन की कथा में साध्वी जी ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके दिव्य लीलाओं का वर्णन करते हुए भक्ति, प्रेम, और धर्म के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराया। उनकी वाणी से जैसे-जैसे कथा आगे बढ़ी, वैसे-वैसे श्रोताओं की आस्था और ध्यान में गहराई आती गई। कथा के दौरान उन्होंने जिस तरह से श्रीमद भागवत के श्लोकों और प्रसंगों को समझाया, वह सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा।

इस दिन की कथा में साध्वी जी ने जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों–धर्म, कर्म और मोक्ष का ऐसा सरल और सहज उत्तर दिया कि हर कोई उनके शब्दों में गहनता से डूबता चला गया। श्रोताओं को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर कर दिया।

दूसरे दिन की कथा न केवल धार्मिक ज्ञान का प्रसार था, बल्कि यह श्रोताओं के लिए एक आत्मचिंतन और आंतरिक शांति का अवसर भी था। कथा के हर पल ने उन्हें अपने जीवन के उद्देश्य पर विचार करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें यह समझने में मदद की कि सच्ची भक्ति और समर्पण ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म है।

विदित हो कि आठ वर्षीय साध्वी श्वेतिमा माधव प्रिया धरा धाम प्रमुख सौहार्द शिरोमणि संत डॉ. सौरभ पाण्डेय एवं डॉ. रागिनी पाण्डेय की सुपुत्री हैं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. सौरभ पाण्डेय, बृजेश मणि त्रिपाठी, डॉ. विनय श्रीवास्तव, गौतम पाण्डेय, रत्नाकर त्रिपाठी, कृपा शंकर राय, प्रमोद कुमार गुप्ता, सतीश यादव, दीपक पाण्डेय, डॉ. रागिनी पाण्डेय, सुभाष पाण्डेय, कौशल किशोर नादान, राकेश मद्धेशिया, सोनू पाण्डेय, लक्ष्मी शंकर, विशाल दुबे, बाल भक्त सौराष्ट्र, रवि दुबे, गुलाब पाण्डेय, गोविंद पाण्डेय आदि श्रद्धालुओं ने भागवत कथा रस का पान किया।

प्रेमिका से मिलने पहुंचा युवक जेल भेजा गया

अमेठी, 09 सितम्बर (हि.स.)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पूरे गोसाई मजरे अगहर गांव में रहने वाले अयोध्या प्रसाद की पत्नी का प्रेम प्रसंग बलरामपुर निवासी मोहम्मद सादिक अली से चल रहा था। सोमवार को वह शादीशुदा प्रेमिका से मिलने उसके गांव पहुंचा तो कोतवाली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अयोध्या प्रसाद की पत्नी गुडडन (50) के चार बच्चों में बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। बेटे औ नाती वाली गुड्डन को इस उम्र में भी प्रेम का बुखार चढ़ा हुआ जिसको लेकर पूरे गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। उसका प्रेम प्रसंग बलरामपुर के रहने वाले सादिक से चल रहा है। पांच साल पहले एक मिस कॉल के जरिए दोनों आपस में जुड़े और फिर ऐसा जुड़े की आज तक टूटने का नाम नहीं ले रहे हैं। सादिक भी शादीशुदा और बच्चों वाला है।

परिवार के मुताबिक, पांच दिन पहले सादिक अली अपनी प्रेमिका गुड्डन से मिलने के लिए अमेठी पहुंचा।

महिला ने परिवार वालों को उसे अपना जीजा बताते हुए घर में रहने के लिए राजी कर लिया। सोमवार को दोनों को आपत्तिजनक अवस्था में देखकर अयोध्या प्रसाद के होश उड़ गये। पति-पत्नी और प्रेमी सादिक अली से कहासुनी और हाथापाई हो गई। इसके बाद मामला कोतवाली पहुंच गया।

कोतवाली प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए तत्काल तीनों लोगों का मेडिकल कराते हुए चालान कर दिया है। उप जिलाधिकारी अमेठी ने अयोध्या प्रसाद एवं उनकी पत्नी को जमानत पर रिहा कर दिया, जबकि मोहम्मद सादिक अली की जमानत को नामंजूर करते हुए सुलतानपुर जेल भेज दिया।

राधा कृष्ण के विविध रूप देख भावविभोर हुए लोग

कुशीनगर, 9 सितंबर (हि.स.)। रंगमंच, ललित कला और साहित्य को समर्पित संस्था संस्कार भारती के तत्त्वाधान में आयोजित बाल गोकुलम कार्यक्रम में दर्शकों ने राधा कृष्ण के बाल रूप की विविधता का दर्शन किया। बाल व किशोर उम्र के पचास से अधिक बालक बालिकाओं ने राधा कृष्ण के आकर्षक साज सज्जा वाले गणवेश में मंच पर न केवल कैट वाक किया बल्कि मनोहारी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

शिशु वर्ग में अथर्व शुक्ला प्रथम, अक्षत पाठक द्वितीय एवं अधिक गुप्त ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बाल वर्ग में आयुषी सिंह प्रथम, दिव्यांश श्रीवास्तव द्वितीय एवं सिमरन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विभिन्न स्कूलों के कुल 81 बच्चों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

रविवार की देर रात राम जानकी मठ में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन से शुभारंभ व अतिथियों के स्वागत की औपचारिकता के बाद पहले राउंड में शिशु वर्ग और दूसरे राउंड में किशोर वय के बालक बालिकाओं ने राधा कृष्ण के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने बाल कृष्ण, रक्षक कृष्ण, शिष्य कृष्ण, सखा कृष्ण, प्रेमी कृष्ण, कर्म योगी कृष्ण, वीर कृष्ण का रूप का दर्शन कराया। वहीं राधा और उनकी सहेलियां बनी बालिकाओं ने नृत्य और हास परिहास, विछोह आदि की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कृष्ण के जन्म रूप का मंचन आकर्षण का केंद्र रहा। महिलाओं ने जन्म रूप की आरती उतारी और सोहर भी गाया।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि संस्कार भारती अपने कार्यक्रमों से सतत ऊंचाई प्राप्त कर रहा है। प्रांत बौद्धिक प्रमुख सुरेश गुप्त ने कहा कि बाहरी ताकतें जब वैदिक और हिंदू संस्कृति पर हमला कर रही हों तो ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से ही हम अपनी संस्कृति को अक्षुण्य रख सकते हैं।

जिला संघ चालक रामआसरे, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व विधायक रजनीकांत, पूर्व जिला जज संतोष श्रीवास्तव, एडवोकेट आलोक श्रीवास्तव, सभासद संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार मद्धेशिया ने विजयी प्रतिभागियों और शेष प्रतिभागियों को पुरस्कार, सांत्वना पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किया। निर्णायक मंडल में पूर्व प्रधानाचार्य परमार्थी मिश्रा, शिक्षिक सुधा रानी जायसवाल व सुनीता सिंह शामिल रहीं। महंत त्रिभुवन शरण दास एवं पुजारी देवनारायण शरण जी ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया। अतिथियों का स्वागत व आभार संस्कार भारती के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार सिन्हा ने किया। संचालन अशोक कुमार ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्य ममता मणि त्रिपाठी, डॉ. सी पी गुप्त, डॉ. सी एस सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश राय, इस्कान केंद्र के प्रमुख गोविंद गोपाल दास, जिला प्रचारक प्रवीण जी, जिला कार्यवाहक डॉक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह, आर एम गुप्ता, कालिंदी त्रिपाठी, शशिप्रभा सिन्हा, त्रिभुवन तिवारी, अवधेश चौरसिया, अशोक जैन, सह मंत्री उमेश चंद गुप्त, दिनेश कुमार गुप्त आदि उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा हुआ, भव्य बाल शिविर आयोजन

झिंझोली में दिनांक 6 से लेकर 8 सितम्बर 2024 तक, नेशनल इन्टिग्रेशन मिशन के तहत सूर्या फाउंडेशन की शैक्षिक विंग स्कूल भारती आगेर्नाइजेशन द्वारा बाल शिविर का आयोजन हुआ। शिविर के उद्घाटन समारोह में श्री सुरेश जैन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारत विकास परिषद, वेद जी, वाइस चेयर मैन सूर्या फाउंडेशन, प्रो एच एल शर्मा, अकैडेमिक हेड रइड एवं श्रीगोविंद अग्रवाल एजुकेशनिस्ट, रइड, अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित थे। श्रीसुरेश जैन जी के साथ उपयुक्त सभी महानुभावों ने 101 शिविरार्थियों को तिलक लगाकर एवं पुष्प मालाएँ पहनाकर उन्हें अपना आशीर्वाद देकर उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागी बच्चों को सम्बोधित करते हुए श्री सुरेश जैन ने बच्चों को पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद के प्रेरणादायक प्रसंगों एवं पैर से विकलांग प्रसिद्ध एथलीट की प्रेरक कहानियाँ सुनाकर उनका उत्साह वर्धन किया। श्रीवेद जी ने बच्चों से पूछा कि कौन-कौन से बच्चे पहली बार शिविर के लिए घर छोड़कर आए हैं, इस पर अधिकांश बच्चों ने अपना हाथ ऊपर उठाया। इस पर उन्होंने बच्चों को वीर बालक बोलते हुए शिविर जीवन की अनेक उपयोगी बातें बताते हुए उनका उत्साह वर्धन किया। ये 101 शिविरार्थी दिल्ली ठउफके 20 अलग-अलग स्कूलों से आए थे। इनके साथ में 7 शिक्षक गण भी शिविर में सम्मिलित हुए । शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए योगासन, सूर्यनमस्कार , खेल कूद , घुडसवारी, शूटिंग, लेक्ररेट, गीत, पीटी, ड्रिल और प्रतिभा विकास के लिए के विकास के लिए ड्राइंग, पेंटिंग, गीली मिट्टी से मॉडलिंग का अभ्यास कराया गया। इसके अतिरिक्त मिट्टी लेप (मड बाथ), पम्प स्नान, कटिस्नान, बैलगाड़ी की सवारी का आनंद, देवभोजन, बाजीराव पेशवा भोजन की व्यवस्था सभी प्रतिभागी बच्चों के लिए की गई है। इस प्रकार शिविर की सभी गतिविधियाँ मनोरंजक, स्वास्थ्यवर्धक या ज्ञानवर्धक रही। शिविर में सभी बच्चे बड़े ही उत्साह से सभी गतिविधियों में हिस्सा ले रहे थे।और शिविर में सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में खठव के प्रोफेसर डॉ. डी.एन. पांडेय जी रहे।

उन्होंने सभी शिविरार्थियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं शिविर में जो कुछ भी सीखा उसे अपने जीवन उतारने के लिए कहा। और अनेक प्रेरणादायी प्रसंगों से बच्चों का मार्गदर्शन किया।तथा वरिष्ठ समाजसेवी,राष्ट्रभक्त व सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश जी को ऐसे पवित्र और महान आयोजन के लिए हृदय से धन्यवाद एवं आभार प्रगट किया। कार्यक्रम में अभिभावक के रूप उपस्थित रहे प्रो. एच एल. शर्मा जी ने भी बच्चों को मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद दिया।

गैंगरेप मामले में कार्रवाई को लेकर सपा का एसएसपी कार्यालय पर हंगामा

मेरठ, 09 सितम्बर (हि.स.)। लोहिया नगर थाना क्षेत्र में किशोरी के साथ हुए गैंगरेप के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को सपा कार्यकताओं ने एसएसपी कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

लोहिया नगर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना हुई थी। रविवार को पुलिस ने आरोपित तालिब को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। पैर में गोली लगने से तालिब घायल हो गया था लेकिन पुलिस अभी तक अन्य आरोपितों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने एसएसपी कार्यालय का घेराव किया और जमकर हंगामा किया। सपा कार्यकताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार अपराध हो रहे हैं। पुलिस उन्हें रोकने में नाकाम साबित हो रही है। प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उनके साथ आए दिन घटनाएं हो रही हैं।

महिलाओं की सुरक्षा नहीं हो पा रही है। लोहिया नगर में गैंगरेप की घटना के आरोपितों के खिलाफ पुलिस को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान सपा कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। इसके बाद एसएसपी को ज्ञापन देकर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने जल्दी ही कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शैंकी वर्मा, जीतू नागपाल, गुड्डू चौधरी, इकराम, एहतेशाम, जीशान, अब्दुल, संजय चौधरी आदि उपस्थित रहे।

बृजक्षेत्र का मशहूर एवं जनमानस की आस्थाओं का प्रतीक 113 वॉ विशाल लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज का शुभारम्भ

मा0 प्रभारी मंत्री असीम अरुण जी ने कहा कि राजकीय मेला होना जनपद वासियो के लिए गर्व की बात हैं

-विशाल लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज का फीता काटकर शुभारम्भ करते प्रभारी मंत्री असीम अरुण

श्री दाऊजी महाराज मंदिर में विशाल छप्पन भोग के दर्शन

हाथरस। ब्रज के प्रसिद्ध मेला श्री दाऊजी महाराज का उद्घाटन मा0 राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार समाज कल्याण उ0प्र0 सरकार/प्रभारी मंत्री श्री असीम अरुण ने मा0 जनप्रतिनिधिगणों, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ फीता काट कर एवं शान्ति के प्रतीक कबूतर व गुब्बारों को हवा में छोडकर किया। उद्घाटन के पश्चात मा0 प्रभारी मंत्री जी ने पार्टी पदाधिकारियो, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ दाऊजी मंदिर पहुंचकर दाऊ बाबा और रेवती मैया के दर्शन किए। इसके पश्चात मा0 प्रभारी असीम अरुण ने जनप्रतिनिधिगणों, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ मेल पांडाल में आयोजित प्रशासनिक कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर सेठ हर चरनदास बालिका इंटर कालेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। मंच पर उपस्थित सभी मा0 जनप्रतिनिधिगणों, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अधिकारियों का स्वागत पटका पहनाकर और बुके भेटकर किया गया।

जिलाधिकारी ने मेले के इतिहास के संबंध में विस्तार से जानकारी देने के साथ ही, मेले में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों तथा मेले में जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकरी दी। उन्होंने जनपद वासियो को अधिक से अधिक संख्या में आकार आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का आनंद लेने कर आवाहन किया।

मा0 प्रभारी मंत्री जी ने उपस्थित सभी प्रशासनिक अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सभी के लिए आज का दिन बहुत ही गौरव का है। उन्होनें कहा कि लक्खी मेंले को राजकीय मेला का गौरव प्राप्त हुआ है। यह जनपद के लिए गर्व बात हैं। उन्होनें कहा कि प्रत्येक वर्ष सभी के सहयोग और सुझाव से भव्यता के साथ आयोजित किया जायेगा। उन्होनें मेले में आने वाले सभी लोगों से आवाहन किया कि कूड़ा डस्टबिन के ही डाले, यदि मेंले में कही पर कोई कमी दिखाती है तो उसे जिला प्रशासन को जरूर अवगत कराए।

उन्होनें मेले में परिवार के साथ मेले में पधार कर कार्यक्रमों का आनंद लेने का आवाहन किया। मेले में जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के लिए बधाई दी।

इस मौके पर जिला प्रशासन ने मा0 मंत्री जी सहित समस्त उपस्थित मा0 जनप्रतिनिधिगणों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

जिला प्रशासन की ओर से अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने धन्यवाद ज्ञापित कर सभी का आभार ब्यक्त किया।

इस मौके पर मा0 सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि, मा0 जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती सीमा उपाध्याय, मा0 विधायिका सदर श्रीमती अंजुला सिंह माहौर, मा0 विधायक सादाबाद प्रदीप चौधरी, जिला अध्यक्ष शरद महेश्वरी, एम0एल0सी0 ऋषि पाल सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव आर्य, मा0 ब्लॉक प्रमुख, जिलाधिकारी आशीष कुमार, पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी साहित्य प्रकाश मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त/रा0 डा0 बसंत अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी मनजीत सिंह, उप जिलाधिकारी सदर, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, परियोजना निदेशक, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, पत्रकार बंधु, शहर के गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सयुक्त रूप से किया दाऊजी महाराज का पूजन

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक अन्य अधिकारियो के साथ पूजन करते हुए

-दाऊजी महाराज व रेवती मैया का बल्देव छठ पर महाभिषेक करते मंदिर के पुजारी

हाथरस । श्री दाऊजी महाराज के जन्मोत्सव पर जिलाधिकारी आशीष कुमार ने पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल के साथ किला परिसर स्थित मंदिर में श्री दाऊजी महाराज का पूजन एवं महाभिषेक विधि विधान पूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ किया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त/रा0, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिव नारायण, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट राज बहादुर, उप जिलाधिकारी सदर नीरज शर्मा, क्षेत्रा अधिकारी पुलिस, तहसीलदार, स्टैनो जिलाधिकारी शीलेन्द्र कुमार, जितेन्द्र वर्मा, पत्रकार बंधु शहर के गणमान्य व्यक्ति आदि उपस्थित रहे। श्री दाऊजी जन्मोत्सव के संयोजक अतुल आँधीवाल एड. पूर्व अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन हाथरस एवं सुनील कुमार वर्मा अध्यक्ष कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन हाथरस रहे। जिन्होंने इस कार्यक्रम मे पधारे अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन किया। हाथरस के विद्वान शोभित त्रिपाठी व जीतू वेदपाठी ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की। उनके साथ मथुरा से पधारे माधव देव गुरु एवं दीपक चतुवेर्दी मंदिर सेवायत चतुवेर्दी यतीश चंद्र, दिनेश चंद्र, प्रवेश चंद्र, झल्लू गुरु, अक्षय, दीपू व सुनील चतुवेर्दी ने भी पूजा अर्चना करायी। कार्यक्रम की व्यवस्था मे प्रमुख रूप से बाँकेबिहारी अपना वाले, राम गुप्ता प्रेस वाले, शम्भूनाथ पुरोहित, धीरज बार्ष्णेय एड., आशू आँधीवाल, डा0 नीरज बार्ष्णेय, मुकेश जेवरी, कुनाल गुड़ वाले, छोटू पत्रकार, अनिल कश्यप, ध्रुव अपना वाले, धन्नू रहे जिन्होने व्यवस्था को बनाये रखा।

युवा पत्रकार पवन जैन के आकस्मिक निधन से भारी शोक

-युवा पत्रकार पवन जैन

हाथरस- ।जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय लालता प्रसाद जैन के सबसे छोटे पुत्र तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक प्रावदा व डीएलए के ब्यूरो चीफ उमाशंकर जैन के छोटे भाई पवन जैन का बीती रात्रि को अचानक निधन हो जाने से भारी शोक की लहर दौड़ गई है। वही उनके सिर में चोट लगी होने के कारण उनके शव का पोस्टमार्टम भी कराया जा रहा है। देर रात्रि को उनका अंतिम संस्कार किए जाने की संभावना है।युवा पत्रकार पवन जैन करीब 44 वर्ष के थे और वह बेहद मिलनसार तथा हंसमुख स्वभाव के थे। उनके निधन की सूचना पाकर मौके पर जहां लोगों की भारी भीड़ लग गई।वहीं उनके परिजन, रिश्तेदार आदि के अलावा समर्थकों व शुभचिन्तकों की भीड़ लग गई तथा उनके सिर में चोट लगे होने के कारण घटना के कारणों को जानने हेतु घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई और पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया है

रेलवे द्वारा यात्रियों के लिए रेल मदद ऐप की सुविधा दी जा रही

मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के निर्देशन में रेलवे द्वारा यात्रियों के लिए ह्यरेल मददह्न ऐप की सुविधा दी जा रही है। ट्रेन से जुड़ी शिकायतो पर रेल मदद ऐप व (एक्स)ट्विटर अकाउंट पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ट्रेनों में सफर के दौरान यात्री रेल मदद ऐप की सहायता से मदद या फिर ट्रेन से जुड़ी शिकायत कर सकते हैं। इसमें ट्रेन में साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता, बुजुर्ग यात्रियों को ऊपरी बर्थ की जगह नीचे वाली बर्थ, बुजुर्ग की दवाई, बच्चे को दूध या फिर किसी भी प्रकार की चिकित्सीय मदद ली जा सकती है। आगरा मंडल में माह अगस्त - 2024 में 1379 शिकायतों का 47 मिनट के औसत समय में तत्काल निस्तारण किया गया है`आगरा मंडल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए संकल्पित है।

तत्काल निवारण करना है उद्देश्य

रेलवे ऐप के जरिए ऑनलाइन सुविधाओं दे रही है, ताकि आसानी से शिकायतें पहुंच सके और उनका निवारण भी तत्काल किया जाए। रेल मदद ऐप के जरिए सफर के दौरान पानी, बिजली, सफाई सहित अन्य शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। इसके साथ ही किसी भी तरह की समस्या भी इस ऐप के जरिए कर सकते हैं। सुविधाएं मांगने या शिकायत करने के लिए जनरल डिटेल्स, घटना की तारीख, घटना स्थल, पर्सनल डिटेल, मोबाइल नम्बर और ई-मेल जैसी सूचनाएं देनी होंगी।

यात्रियों से मांगा जाता है फीडबैक

रेल मदद ऐप पर शिकायत या समस्या बताने पर रेलवे द्वारा उसका समाधान तत्काल किया जा रहा है। रेलवे ने हर समस्या के समाधान की समय सीमा भी निर्धारित की हुई है। निर्धारित समय में समाधान न होने पर वह शिकायत उच्च अधिकारी तक पहुंच जाती है। साथ ही समाधान की सूचना भी शिकायतकर्ता को देते हुए उससे फीडबैक भी लिया जाता है।

अखिल भारतीय विराट बुर्ज कुश्ती दंगल का विधिवत उद्घाटन सांसद अनूप प्रधान ,विधायक अंजुला माहौर ,जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने संयुक्त रूप से किया

-विधिवत उद्घाटन पश्चात पहलवानों के हाथ मिलवाते सांसद अनूप प्रधान

हाथरस। बृज के लखखी मेंला श्री दाऊ जी महाराज में अखिल भारतीय विराट बुर्ज कुश्ती दंगल का विधिवत उद्घाटन सांसद अनूप प्रधान ,विधायक सदर अंजुला माहौर ,जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने किया। इससे पूर्व अटल टाल बगीची से हनुमान जी महाराज का डोला अटल टाल बगीची से गौशाला रोड, मेंडू गेट, सर्कुलर रोड, गुडिहाई बाजार, पत्थर बाजार, नयागंज होते हुए किला दाऊजी मंदिर पहुँची। दंगल के अखाड़े पर श्री हनुमान जी महाराज एवं श्री दाऊजी महाराज विराजमान किए गये।

इस अवसर पर दंगल संयोजक मनोज अग्निहोत्री , संरक्षक पूर्व विधायक राजवीर पहलवान , देवेंद्र शर्मा ,जय शर्मा ,नवीन सबलोक ,सुनील पंडित ,प्रवीन खंडेलवाल ,मानवीर सिंह , अमन बंसल , विष्णु अग्निहोत्री , उमाशंकर गुप्ता , प्रबल प्रताप , यादवेंद्र अग्निहोत्री , श्याम सुंदर अग्निहोत्री ,आशीष अग्निहोत्री , नरेंद्र अग्निहोत्री तरूण शर्मा , विष्णु ,प्रशांत शर्मा , अमरनाथ ,मुरारीलाल पचौरी ,दंगल मीडिया प्रभारी आशीष सेंगर आदि, मौजूद रहे।

कैडर सचिवों की वेतन संबंधी विसंगतियों सहित अनेक मुद्दों पर हुई चर्चा

उत्तर प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी संघ की बैठक में लिए गये निर्णय

शिकोहाबाद। उत्तर प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी संघ फिरोजाबाद की एक बैठक जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव की अध्यक्षता में संघ कार्यालय पर हुई। जिसमें कैडर सचिवों के वेतन संबंधी विसंगतियों को दूर करने सहित अन्य मांगों पर चर्चा की। इसके साथ ही प्रस्तावों को क्रियान्वयन हेतु एक कमेटी का भी गठन किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि कैडर सचिवों के वेतन संबंधी विसंगतियों, शासन द्वारा नियुक्ति देने पर भी कोई वित्तीय सहायता न देने, पीसीएफ फिरोजाबाद द्वारा वर्षों का खाद, पल्लेदारी, गेहूं कमीशन व पल्लेदारी, डीएपी आदि खादों के रेट डिफरेंस अभी तक ना दिया है। जिसे शीघ्र दिया जाए। भविष्य में सारे क्लेम पीसीएफ समयांतगर्त करने संबंधी , बी-पैक्स कर्मचारियो को वेकार में उत्पीड़न करने व भविष्य कर्मचारियों के खिलाफ एक्सन लेने से पहले संगठन को सूचित किया जाए। उसके विना मसवरे के दंडित न किये जाने हेतु एक कमेटी बनाने के प्रस्ताव पास किये गये। मीटिंग में उक्त सभी प्रस्तावों को क्रियान्वयन हेतु एक कमेटी गठित की गई। जिसमें मनराम, ज्ञान सिंह, प्रदीप कुमार, विमल यादव, अवधेश सुमन, सुधीर कुमार शर्मा, पुष्पेंद्रचौधरी, अश्वनी यादव, हर्दयेश यादव एवं अखिलेश यादव शामिल हैं। यह कमेटी अधिकारियों से शीघ्र संपर्क कर जिला स्तर की समस्याओं का समाधान कराने एवं प्रदेश स्तर की समस्याओं को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भिजवाने का कार्य केरेगी। मीटिंग में संगठन के 60 प्रतिशत कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुआवजा की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मृत महिला के परिजनों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की शिकायत

शिकोहाबाद। फरिहा के अंतगर्त गांव अकवरपुर गीतमपुर निवासी मिहला मलकूदेवी की रक्षाबंधन वाले दिन विद्युत करंट लगने से मूत्यु हो गई थी। विभागीय

अधिकारियों की लापरवाही के कारण हुई महिला की मौत पर ग्रामीणों ने फीडर पर शव रख कर जाम लगाया था। ग्रामीणों को समझा बुझा कर उच्चाधिकारियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। लेकिन उन्हें अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है। जिससे मृतका के परिवार के लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

मुआवजा दिलाये जाने की मांग को लेकर सोमवार को पीड़ित परिवार के साथ गांव के लोग तहसील पहुंचे और एसडीएम कार्यालय के सामने नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि 19 अगस्त को उप जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाएगी और दोषी विद्युत विभाग के कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही होगी। लेकिन एक माह गुजर जाने के बाद भी ना तो आर्थिक मदद दी गई है और ना ही दोषी कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्यवाही की गई है। जिससे ग्रामीण जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि हाथवंत, नगला केसों, अकबरपुर, गीतमपुर, रनधीरपुर, दपामई, नगला देवराज, रहना आदि अनेकों गांव की जनता की मांग है कि दोषी एसडीओ, जेई और लाइनमैन को क्षेत्र के फीडर से हटाया जाए।

पूर्व सैनिकों ने दी जवान को श्रद्धांजलि

शिकोहाबाद। सैनिक समाज सेवा संगठन के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों ने उप निरीक्षक अनुज कुमार दिल्ली सीआरपीएफ वटालियन में तैनात थे। किसी कार्य से वह सुबह उनके आवास जेवड़ा रोड़ मक्खनपुर पहुंचा। जहां उनका सैनिक सम्मान के साथ अंतिम

सीआरपीएफ के जवान उपनिरीक्षक अनुज कुमार का सैनिक सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज उढ़ाकर एवं सैल्यूट के साथ दी अंतिम विदाई।

लखनऊ गये थे। रविवार को ट्रेन में चढ़ते समय उनका पैर फिसलने से वह ट्रेन के नीचे आ गये, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। उनका पार्थिव शरीर सोमवार संस्कार किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विशेष कुमार यादव, कोषाध्यक्ष ध्रुवजीतसिंह, अवधेश कुमार, रामवीर सिंह, वीरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

अ भा स मजदूर कांग्रेस की अनिश्चितकालीन काम बंद हडताल शुरू

सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन काम बंद हडताल शुरू करते हुए

हाथरस। अखिल भारतीय सफाई मजूद कांग्रेस के बैनरतले नगर पंचायत सासनी के सफाई कर्मचारियों ने अपनी ज्वलंत समस्याओं को लेकर दिनांक नौ सितंबर दिन सोमवार से अपनी कामबंद हडताल शुरू कर दी है।

सोमवार से हडताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने दो दिन पूर्व भी नगर पंचायत से अपनी समस्याओं के समाधान की गुहार लगाई थी। मगर नगर पंचायत ने उनकी बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया। इससे आक्रोशित सफाई कर्मचारियों ने कामबंद हडताल शुरू कर दी। सफाई कर्मचारियों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को उन्होंने दर्जनभर अधिकारियों और मंत्रियों को एक पत्र लिखकर भी अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। और समस्या समाधान कर समय देते हुए काम बंद हडताल पर जाने की चेतावनी भी दी थी। मगर उनकी समस्या का समय रहते समाधान नहीं हुआ तो उन्हें मजबूरन कामबंद हडताल पर जाना पडा। हडताल पर प्रदीप बाल्मीक, अशोक चैहान, हरीशंकर, राजेश कुमार, निक्की, कुलदीप, सुरजीत, दयाचंद, नीरू, सूरजमुखी, शारदा, मंजू, नीलम, गीता, रामवीर, आकाश, सोनू, पवन, वीरीसिंह, अनिल, कविता, पूजा, रजनी, कौशल, प्रमोद, दीपक, आदि मौजूद थे।

इंस्टाग्राम पर नकली पिस्टल लगा कर फोटो अपलोड करना युवक को पड़ा भारी

पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़ कर शांति भंग में किया निरुद्ध

शिकोहाबाद। एक युवक ने खिलोने वाली नकली पिस्टल से रील बनाकर उसे इंस्टाग्राम पर एक सप्ताह पूर्व अपलोड कर दिया। जिसको एक व्यक्ति रविकांत ने रविवार सुबह पुलिस को ट्वीट कर दिया। जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने इंस्टाग्राम पर पिस्टल लहराते युवक की जानकारी की। पता चलने पर उसे सोमवार सुबह पकड़ लिया और उसके कब्जे से खिलोने वाली पिस्टल बरामद कर ली।

युवक फेसबुक और इंस्ट्राग्राम पर अपने फोटो इस तरह रील बना कर डाल रहे हैं, जिससे वे जाने-अन जाने में मुसीबत में फंस जाते हैं। एसा ही एक मामला थाना क्षेत्र के मोहल्ला विजेंद्र कॉलोनी निवासी युवक सूरज यादव ने किया। उसने खिलोने वाली पिस्टल से रील बनाई और उसे अपने इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। उसका फोटो इंस्टाग्राम से मोहल्ले के ही युवक ने उठाया और उसे पुलिस ग्रुप पर ट्वीट कर दिया।

जब इसकी जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित को हुई तो उन्होंने तत्काल युवक को पकड़ने के लिए अधीनस्थ को निर्देश दिये। पुलिस ने आरोपी युवक सूरज यादव को रविवार रात को पकड़ लिया। उसके कब्जे से वह नकली पिस्टल भी बरामद कर ली जिसके साथ उसने अपना फोटो इंस्टाग्राम पर डाला था। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित के खिलाफ शांतिभंग की धारा में कार्यवाही की गई है।

समाज सेवा के क्षेत्र में मिला सम्मान:

समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर किया सम्मानित

फिरोजाबाद समाजसेवा से जुड़े कार्यों के लिए फीरोजाबाद के हिमांशु शर्मा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

हिमांशु शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में,समाज सेवा में एक वेइल फाउंडेशन आगरा,फेयर विजन फाउंडेशन,द्वारा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है।

उनकी कर्तव्य निष्ठा एवं समाज सेवा,सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर फाउंडेशन के पदाधिकारियों की ओर से उनको सम्मानित करने का कार्य किया गया।समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल यह अवार्ड दिया जाता है। हिमांशु शर्मा के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में,निर्वाचन कार्य में,समाजसेवी के रूप में इनके द्वारा जनपद में अनेक विशेष कार्य किए गए हैं। हिमांशु शर्मा ने कहा कि ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से मनोबल बढ़ता है तथा दूसरे लोगों को भी समाज के अनुरूप कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

टैगोर इण्टरनेशनल स्कूल में हुआ फ्रूट्स एंड वेजिटेबल फैशन शो पर कार्यक्रम

फ्रूट्स एंड वेजिटेबल फैशन शो में प्रस्तुति देते नन्हे मुन्ने

हाथरस।टैगोर इण्टरनेशनल स्कूल में फ्रूट्स एंड वेजिटेबल फैशन शो पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या रंजना कुमार ने मां सरस्वती का पूजन करके व प्रबंधक किशनवीर सिंह ने सरस्वती जी को फूल माला पहनाकर व दीप जलाकर किया। छोटे - छोटे छात्र छात्राओं ने फ्रूट्स एंड वेजिटेबल के स्वरूप बनकर उनके बारे में विशेषताएं आदि बताई ।छोटे-छोटे छात्र छात्राओं ने गणेश चतुर्थी एवं राधा अष्टमी पर सांस्कृतिक नृत्य किए एवं उनके स्वरूप बनकर सभी का मन मोह लिया।

उक्त कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी विवान सिंह, सृष्टि गुप्ता, मीत माहेश्वरी, हिमांशी, इनायशा, काव्यांश, अतिशय, सूर्यांश आदि छात्र छात्रा थे ।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों के अभिभावक एवं संध्या जादोन, सुमन प्रकाश, कविता, मनीशा गोला, मंजुल माहेश्वरी, हुमा नाज, ब्रजेश शर्मा, ममता सिंह , सुनील वार्ष्णेय, शोभा शर्मा एवं समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

जनपद में फिर दिखा रफ्तार का कहर, बस ने ईको गाड़ी में मारी

टक्कर, महिला समेत दो की मौत, पांच लोग घायल

हाथरस। ओवरटेक करते हुए बस ने ईको में टक्कर मार दी। सड़क हादसे में महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। ईको सवार सभी लोग आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र के नारायण नगर निवासी हैं। बस ने ईको गाड़ी में टक्कर मार दी है। हादसे में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई है, वहीं पांच लोग घायल हुए हैं।

घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के लहरा बाईपास के निकट ओवरटेक करते हुए एक बस ने ईको में टक्कर मार दी। सड़क हादसे में उषा निवासी नारायणपुर, आगरा व विमल निवासी नारायणपुर, आगरा की मौत हो गई।वही मुन्नी, सुरेश कुमार, सर्वेश कुमार, पवन कुमार, जितेंद्र घायल हो गए , ईको सवार सभी लोग आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र के नारायण नगर निवासी हैं। सभी अलीगढ़ के रामपुर गांव से अंतिम संस्कार में शामिल होकर आगरा लौट रहे थे। सभी घायलों को एंबूलेंस की सहायता से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक घायलों का उपचार कर रहे हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

धूमधाम से मनाई गई भगवान कुश की जयन्ती

वक्ताओं ने बेटियों को शिक्षित करने पर दिया जोर

शिकोहाबाद। ग्राम बरामई में भगवान कुश का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता ने भगवान कुश के चित्र पर माल्यार्पण कर पंडाल में केक काट कर मनाया। इसके बाद केक को सभी लोगों में वितरित किया गया।

मुख्य अतिथि त्रिलोकचंद्र कुशवाहा और राजू कुशवाह ने समाज में जन्मे महापुरुषों भगवान कुश, तथागत बुद्ध, चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान,चन्द्रगुप्त मौर्य, माता सावित्री फूले आदि के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारा स्वर्ण अक्षरों में लिखा हुआ इतिहास रहा है। जनपद में समाज को किसी भी राजनीतिक पार्टी चाहे भाजपा,सपा,बसपा किसी ने कोई उचित हिस्सेदारी नहीं दी है। समाज की कोई हिस्सेदारी फिरोजाबाद में सत्ता पक्ष में न होने के कारण समाज का दोहन बडे स्तर पर हो रहा है। कोई सुनने वाला नहीं है। आज समाज की मांग है हमें सबको संगठित होकर संघर्ष करना होगा। तभी अपना अधिकार पा सकेंगे।

राजूसिंह कुशवाहा अध्यापक जिला महामंत्री कुशवाहा जिला सभा ने बेटियों को शिक्षित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर युवा समाज सेवी अभिषेक कुशवाहा, बन्टू कुशवाहा अध्यक्ष श्रीखाटूश्याम सेवा, विद्याराम कुशवाहा पूर्व प्रधान,राम निवास कुशवाहा, हरिविलास कुशवाहा, अनुज कुशवाहा, राजकुमार यादव, ठेकेदार मनीष कुशवाहा, सौरभ कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, शिवम कुशवाहा, जयवीर सिंह कुशवाहा, धर्मेन्द्र कुशवाहा एवं उनकी युवा टीम के साथ ही काफी संख्या माता बहनों युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदन सिंह कुशवाहा व संचालन राजू सिंह कुशवाहा ने किया।

अधिवेशन में जिले से व्यापारियों ने किया प्रतिभाग

आगरा में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन में जिलाध्यक्ष ने उठाई समस्याएं

शिकोहाबाद। जिला फिरोजाबाद उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष रविंद्रलाल तिवारी के नेतृत्व में जिले के

व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय अधिवेशन एवं त्रिवार्षिक चुनाव कार्यक्रम आगरा के अग्रवन में शामिल हुआ। जिसमें जनपद की व्यापारिक समस्यायों को उठाया।

अध्यक्ष ने अधिवेशन में व्यापारियों की मुख्य समस्याएं जीएसटी,खाद्य विभाग,विद्युत विभाग के साथ ही व्यापारियों को टॉल फ्री नंबर आदि की शिकायतें रहीं।

प्रांतीय अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने शीघ्र ही सभी समस्यायों का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की कई मंत्रियों की भी उपस्थित रही। शिकोहाबाद नगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता,महामंत्री मुकेश गौड़,जिला उपाध्यक्ष योगेश गुप्ता,गोविंद अग्रवाल,जिला महामंत्री कौशल किशोर उपाध्य,जिला कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता,राजेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

बुधवार को मनाया जाएगा राधा रानी का जन्मोत्सव

वैवाहिक जीवन की खुशहाली के लिए करें राधाष्टमी व्रत : आचार्य गौरव शास्त्री

हाथरस।

भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के 15 दिन बाद बाद लाडली राधा रानी क जन्मोत्सव भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इसे राधाष्टमी भी कहा जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार इस बार शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि आज रात्रि 11:11 मिनट से प्रारंभ हो रही है जो कि कल रात्रि 11:46 बजे समाप्त होगी ऐसे में उदया तिथि के अनुसार राधा अष्टमी का पर्व 11 सितंबर बुधवार यानि कल मनाया जाएगा।

वैदिक ज्योतिष संस्थान के गौरव शास्त्री के अनुसार इस बार राधा अष्टमी पर प्रीति योग,आयुष्मान एवं रवि योग के साथ भद्रावास योग का निर्माण भी हो रहा है,इन शुभ योगों में राधा रानी और भगवान कृष्ण की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। राधा रानी की पूजा मध्याह्न काल के दौरान की जाती यह दोपहर का समय होता है अतः कल पूजन के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः 11:02 मिनट से दोपहर 01:31 मिनट तक रहेगा।

राधाष्टमी व्रत के महत्व के बारे में शास्त्री जी ने बताया कि यह व्रत श्री कृष्ण जन्माष्टमी की तरह ही रखा जाता है। इस दिन राधा रानी की पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

राधा रानी की पूजा उपासना से व्यक्ति को सुख, समृद्धि, धन और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है साथ ही वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है। इस दिन विवाहित महिलाएं संतान सुख और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए व्रत रखती हैं। मान्यताओं के अनुसार राधा रानी जी को प्रसन्न कर लेने से योगीराज भगवान श्री कृष्ण स्वयं प्रसन्न हो जाते हैं क्योंकि राधा रानी के विना भगवान श्री कृष्ण की पूजा भी अधूरी मानी जाती है।

व्रत करने वाले जातक प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर घर के मंदिर में मंडप के नीचे मंडल बनाकर मिट्टी या तांबे का कलश स्थापित करें। राधा रानी की प्रतिमा का विधि विधान से स्नान करवाकर सुंदर वस्त्र पहनाकर मध्याह्न काल में षोडशोपचार से पूजन करें, पूजन के पश्चात व्रत का संकल्प लेकर अगले दिन श्रद्धानुसार सुहागिनों तथा ब्राह्मणों को भोजन करवाकर सामर्थ्य के अनुसार उन्हें दक्षिणा दें।

मेला श्री दाऊजी महाराज को लेकर पुलिस प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

हाथरस। जनपद में सोमवार 9 सितंबर से प्रारम्भ होने वाले प्रसिद्ध लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज को सकुशल सम्पन्न कराये हेतु मेला में कानून व्यवस्था बनाये रखने, आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण हेतु अस्थाई पुलिस थाना ह्यथाना मेला कोतवालीह्व बनाया गया है। जिसका हेल्प लाइन नम्बर "9258198320" है। आमजन को सूचित किया जाता है कि पुलिस सहायता हेतु मेला कोतवाली के हेल्पलाइन नंबर "9258198320" पर संपर्क कर सकते है।

अधिवक्ता मोहिनी तोमर हत्याकांड की निष्पक्ष हो जांच

राजस्थान की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी हो एड वोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू

फिरोजाबाद 9 सितंबर । कासगंज में महिला अधिवक्ता मोहिनी तोमर की हत्याकांड की निष्पक्ष जांच व उत्तर प्रदेश में राजस्थान की तर्ज पर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने को लेकर अधिवक्ता संघर्ष समिति ने समिति अध्यक्ष उमाकांत पचौरी एडवोकेट के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सोंपा ।

ज्ञापन में कहा गया है कि कासगंज की महिला अधिवक्ता मोहिनी तोमर की हत्याकांड की किसी एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जाए पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से कम से कम एक करोड रुपए की धनराशि देते हुए परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलाई जाए ।

साथ ही अधिवक्ताओं के साथ होने वाली हिंसात्मक घटनाओं और मिथ्या आरोपों के मामलों पर रोक लगाने के लिए राजस्थान सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम (एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट) शीघ्र लागू कर अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ।

ज्ञापन में आगे कहा गया है कि वर्तमान में प्रदेश में आए दिन अधिवक्ताओं की हत्या की जा रही है प्रदेश में लाखों अधिवक्ता तहसील स्तर से उच्च न्यायालय तक विधि व्यवसाय करते हैं यह सभी अधिवक्ता अपने जीवन और परिवार की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं सरकार इनकी सुरक्षा की गारंटी ले ।

अधिवक्ताओं की कल्याणकारी योजनाओं का समय से क्रियान्वयन किया जाए, अधिवक्ताओं को उत्तर प्रदेश में टोल टैक्स से मुक्त किया जाए, अधिवक्ताओं की असामयिक मृत्यु पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा देने वाली सहायता राशि में अनावश्यक विलंब न किया जाए ।

ज्ञापन देने वालों में अधिवक्ता संघर्ष समिति के अध्यक्ष उमाकांत पचौरी एडवोकेट ब्रह्म स्वरुप शर्मा रामकुमार मिश्र हनुमत सिंह गोरख चरन सिंह यादव हरी बाबू यादव गजेंद्र सिंह बौद्ध देवेंद्र वशिष्ठ तुरसनपाल वियोगी सुरेश चंद्र रामहंस यादव सत्यवीर धनगर श्याम सुंदर सोनी आदि अधिवक्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे ।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से फिर गई एक गर्भवती महिला की जान

आखिर कब लगेगी झोलाछाप डॉक्टरो पर लगाम

फिरोजाबाद थाना दक्षिण के मोहल्ला हिमायू पुर में रविवार की रात्रि झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से एक गर्भवती महिला की मौत हो गई परिजनों ने जमकर हंगामा कांटा पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है

हिमायुपुर माता वाली गली निवासी 24 वर्षीय प्रीति राठौर पत्नी राहुल राठौर कि रविवार की रात तबीयत खराब हो गई परिजन उसे नजदीकी झोलाछाप डॉक्टर कैलाश यादव के क्लीनिक पर पहुंचे राहुल का आरोप है कि चिकित्सक ने इंजेक्शन लगाया और खाने के लिए गोलियां दी इसके बाद वह घर चले आए घर आते ही प्रीति के मुंह से झाग निकलने लगा और उसने दम तोड़ दिया जिससे परिजनों में कोहराम मच गया परिजन शव को लेकर क्लीनिक पर पहुंचे तब तक डॉक्टर क्लीनिक बंद कर भाग गया परिजनो ने इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है जहां शव को बिछेदन ग्रह में रखवा दिया है मृतका ने अपने पीछे एक पुत्री को रोते बिलखते छोड़ा है परिजनों के अनुसार प्रीति 8 माह की गर्भवती है सोमवार को प्रीति का डॉक्टर के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया तत्पश्चात शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है

पुलिस ने दो किलो गांजा सहित युवक पकड़ा

फिरोजाबाद। थाना सिरसागंज पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके पास से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है।

एसओ वैभव कुमार सिंह थाना सिरसागंज ने पुलिस बल के साथ चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उसे लाला ईट भट्ठा से 100 मीटर इटावा की तरफ एनएच-19 से गिरफ्तार किया है।पुलिस को देख उसने भागने का प्रयास किया था। पुलिस कर्मियो ने घेराबंदी कर उसकी गाड़ी को पकड़ा।

उसका नाम सत्यवीर सिंह पुत्र रंजीत सिंह बताया है। वह नगला नचला थाना इगलास जिला अलीगढ का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से दो किलो गांजा तथा एक टाटा कैंटर बरामद की है। पुलिस ने कैंटर का चालान धारा 207 एमवी एक्ट में किया है। वही पकड़े गए अभियुक्त को पुलिस ने जेल भेजा है।

जनपद में सॉफ्टबाल क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यकारिणी गठित

फिरोजाबाद । जिला सॉफ्ट बाल क्रिकेट एसोसिएशन की रविवार को कार्यकारिणी गठित हुई।

जिसमे प्रदीप मित्तल पम्मी चेयरमैन,अनिल गर्ग फाइनेंस चेयरमैन, मुकेश गुप्ता मामा अध्यक्ष, एनसी बंसल अतुल जैन, डीसी गुप्ता, डॉक्टर मयंक भटनागर, डॉक्टर अमित, अभिषेक मित्तल चंचल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नीरज अग्रवाल, सतीश चंद्र जैन,उमेश शर्मा, गोविंद मित्तल मधुर दत्त बंसल, योगेश मित्तल उपाध्यक्ष, अनिल लहरी जनरल सेक्रेटरी, राहुल शर्मा सुधीर सिंह आयोजन सचिव, कामरान खान रुपेश अग्रवाल जितेंद्र सिंह यादव तारीख अली वकार अहमद जूनियर संयोजक, फरहान सीनियर कृष्ण मोहन यादव महेंद्र तरंग नाजिम पटेल प्रशांत महेश्वरी देवेंद्र वर्मा सहसंयोजक, निशांत खरे उमेश पुरी राकेश कुलश्रेष्ठ पाल गुप्ता संयुक्त सचिव, संजय बंसल टिल्लू कोषाध्यक्ष, अनुपम शर्मा नंदिनी महिला संयोजिका, कल्पना राजोरिया रश्मि शर्मा मीनू अरोड़ा सह महिला संयोजिका, पवन अग्रवाल ऑडिटर सर्व सम्मति से नियुक्त किए गए। सतीश शर्मा राहुल शर्मा पंकज उपाध्याय विकास लहरी नरेंद्र उपाध्याय बबीता गुप्ता संगम यादव अंजू शर्मा शिल्पी शर्मा रेनू बघेल संगीता यादव शैलेंद्र पालीवाल गोपाल शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया।

आप अपने प्रशिक्षण को गंभीरता से लें: जिलाधिकारी

कागज पर काम और मौखिक कार्य दोनों एक समान दिखने चाहिए: जिलाधिकारी

ब्यूरोक्रेसी में सचिव, लेखपाल और सिपाही इन तीनों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है: जिलाधिकारी

हमारा कर्तव्य है कि हम लोगों के कार्यों को प्राथमिकता दें और अपने काम को लोक सेवा के भाव से करें: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

ग्राम मदावली तहसील टूंडला में राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों की प्रशिक्षण का शुभारम्भ जिलाधिकारी रमेश रंजन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के द्वारा किया गया। इस मौके पर लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि रहे हैं, उसका सही से इस्तेमाल करें कागज पर काम और मौके पर काम एक समान होना चाहिए, उसमें किसी भी तरह का कोई अंतर नहीं नजर आना चाहिए।

जिलाधिकारी ने आगे कहा कि सभी विभागों में समन्वय हो, क्योंकि सभी का कार्य महत्वपूर्ण है आज के इस युग में आपसी समन्वय से ही अपने कार्यों को एवं दायित्वों का निर्वहन अच्छी तरीके से हो सकता है।

आप सब ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच में रहें, जिससे लोगों की समस्याओं को समझ सके और उनको दूर कर सकें। इस प्रशिक्षण के दौरान आप सब राजस्व शब्दावलियों का ज्ञान गंभीरता से अर्जित कर लें, जिससे राजस्व संबंधित विवादों को निपटने में आप सफल हो सकें। जिलाधिकारी ने अपना एक अनुभव साझा करते हुए बताया कि लेखपाल का महत्व कितना होता है, उन्होंने कहा कि अपने प्रथम नियुक्ति के दौरान शंकर नामक लेखपाल से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

इस मौके पर बोलते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने कहा कि हम सब लोक सेवक हैं, इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम लोगों के कार्यों को प्राथमिकता दें और अपने काम को लोक सेवा भाव से करें, साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी को अपने गांव के बारे में सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए, संवेदनशील गांव की पहचान कर लें और हमेशा सतर्क रहें। साथ ही यह भी ख्याल रखें की पुलिस और प्रशासन का संबंध ब्यूरोक्रेसी में सचिव, लेखपाल और सिपाही इन तीनों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है, इसलिए जरूरी है

कि आप अपनी जिम्मेदारियां को समझें, यह जो प्रशिक्षण आयोजित किया गया है, उसको पूरी गंभीरता से लें, लोगों के बेसिक कार्य आप लोगों के माध्यम से किए जाने हैं, इसलिए आपका कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, अपने कार्य को सेवा भाव और ईमानदारी से करें, लोगों के बीच अपनी विश्वसनियता को बढ़ाएं। आज के इस तकनीकी युग में आपका कार्य और आचरण लोगों के बीच सहजता से पहुंच रहा है, इसलिए जरूरी है कि आप अपने कामों में ईमानदारी और गंभीरता लाए। आप अपने महत्व को समझें और जो भी ज्ञान आप यहां पर अर्जित कर है कि हम लोगों के कार्यों को प्राथमिकता दें और अपने काम को लोक सेवा भाव से करें, साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी को अपने गांव के बारे में सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए, संवेदनशील गांव की पहचान कर लें और हमेशा सतर्क रहें। प्रशिक्षण को गंभीरता ले आने वाले समय में आपका कार्य ही आपके मूल्यांकन का आधार बनेगा। आज के समय में आप सब आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए कार्यों को सहजता से और समयबद्धता से पूरा करें।

जिलाधिकारी ने 15वें वित आयोग के तहत चल रहें कार्यों की समीक्षा की, सम्बन्धितों को दिए आवश्यक निर्देश।

नगर पंचायतों में 15वें वित्त आयोग के तहत कराये जा रहे विकास कार्यों को लेकर जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन कलैक्ट्रेट सभागार कक्ष में आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने इस बैठक में सभी प्रस्तावित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत बुनियादी अनुदान से कराये जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपनी नगर पंचायतों में किसी एक सामुदायिक स्थल को अवश्य विकसित करें, जो भी पार्क बन रहे उसमें ओपन जिम और बच्चों के खेलने हेतु झुले इत्यादि अवश्य लगाए जाए, हार्टिकल्चर से जुडी हुई चीजों का भी यहां पर प्रयोग किया जाए, बैठने के लिए हर पार्क में बैंच हो व स्ट्रीट लाइटें लगी हो। सभी अधिशासी अधिकारियों से जिलाधिकारी ने वंदन योजना और मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के विषय में चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। जैसा कि ज्ञात है वंदन योजना के अन्तर्गत नगरीय क्षेत्रों मे अवस्थित सांस्कृतिक, धार्मिक, पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों पर आने वालें श्रृद्धालुओं को मूलभूत अवस्थपना सुविधाऐं उपलब्ध कराए जाना है।

इसी तरह मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अन्तर्गत कार्यालय भवन, वर्किंग वूमेन हॉस्टल, कौशल विकास केन्द्र, बारात घर, रिटार्यमेंट होम, निराश्रित ग्रह या रेन बसेरा, पुस्तकालय, ओपन जिम इत्यादि जैसे कार्य कराए जाने है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन कार्यों से नगर पंचयतों की दशा-दिशा तो सुधरेगी ही साथ ही साथ आम नागरिकों और उनके बच्चों के लिए खेल और ज्ञान दोनो के स्थान उपलब्ध होने से उनके व्यक्तित्व का विकास होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना के तहत होने वाले कार्यों को प्राथमिकता पर लें, ताकि इसके लाभों को निचले स्तर तक पहुचाया जा सके। साथ ही जिलाधिकारी ने नगर निगम के तहत कराए जा रहे कार्यों। साथ ही जिलाधिकारी ने नगर पंचायतों को स्वच्छ रखने तथा कुडा निस्तारण हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिए भी निर्देशित किया।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी विशु राजा, सभी चैयरमैन व अधिशासी अधिकारी आदि जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

शिकायत के बाद भी नहीं हुआ जलोपुरा मार्ग का निर्माण

फिरोजाबाद मोनी बाबा आश्रम से जलोपुरा जाने वाले रोड का का हाल बेहाल है जिसके चलते रहा वीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है समाधान दिवस में की गई शिकायत के बाद भी रोड का निर्माण नहीं कराया गया है

शिव शक्ति सर्वधर्म मानव सेवा समिति के शिवजीत सिंह ने कहा है मोनी बाबा आश्रम से जलोपुरा को जाने वाला रोड उबड खाबड पड़ा है जिससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है यही नहीं सड़क के किनारे नालियों का पक्का निर्माण भी नहीं कराया गया है जिससे मार्ग में वर्षा का पानी भर जाने के फल स्वरुप लोगों को पानी के मध्य से होकर निकलने को मजबूर होना पड़ रहा है उप जिलाधिकारी सदर को दिए गए ज्ञापन में उन्होंने कहा है इस रोड पर कई फैक्ट्रियां हैं फैक्ट्रियां में आने जाने वाले ट्रक बेतरतीवी खड़े होने के कारण रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती है जिसके कारण पैदल चलने वालों के लिए भी रास्ता नहीं मिलता उन्होंने कहा है इस संबंध में एक शिकायती पत्र समाधान दिवस में भी दिया जा चुका है लेकिन सड़क और नाली का निर्माण आज तक नहीं हो सका ज्ञापन पर अवनीश गिरीश यादव मानसिंह एडवोकेट आदि के हस्ताक्षर हैं

आर्थिक तंगी के चलते किसान ने फंदे पर लटक दी जान

जसराना। आर्थिक तंगी एवं सरकारी कर्जे से परेशान होकर एक किसान ने पेड़ पर फंदा बनाकर लटक गया। किसान की मौत की जानकारी मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के चाचा ने बताया कि भतीजा आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

थाना जसराना के गांव कटैना हर्षा निवासी सचिन कुमार (35) पुत्र विद्याराम का शव सोमवार की सुबह उसके चाचा गुलाब सिंह ने खेतों में मौजूद शीशम के पेड़ पर लटका देखा। शव को देख उनकी चीख निकल गई। उन्होंने मृतक की पत्नी के साथ अन्य लोगों को सूचना दी।

वहीं आसपास के खेतों में कार्य कर रहे लोगों की मौके पर भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर थाना जसराना से पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा।

ग्रामीणों एवं परिजनों से पूरे मामले की पडताल करने के साथ शव को नीचे उतारा। परिजनों ने बताया कि सचिन कृषि कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। उस पर केसीसी का कर्जा था। वहीं काफी समय से वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। कई दिनों मानसिक रुप से परेशान सचिन ने सोमवार की सुबह खेतों के पास मौजूद पेड पर लटककर जान दे दी है।

युवक की मौत के बाद जहां उसकी पत्नी सुधा का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है वहीं उसके सामने अपनी दो बेटियों एवं एक बेटे को पालने का संकट खडा हो गया है। थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह ने कहा एक युवक ने फंदे पर लटककर जान दी है। परिजनों द्वारा आर्थिक तंगी के चलते फंदे पर लटकने की बात कही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

धूमधाम से मनाई गई भगवान कुश की जयन्ती

वक्ताओं ने बेटियों को शिक्षित करने पर दिया जोर

शिकोहाबाद। ग्राम बरामई में भगवान कुश का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता ने भगवान कुश के चित्र पर माल्यार्पण कर पंडाल में केक काट कर मनाया। इसके बाद केक को सभी लोगों में वितरित किया गया।

मुख्य अतिथि त्रिलोकचंद्र कुशवाहा और राजू कुशवाह ने समाज में जन्मे महापुरुषों भगवान कुश, तथागत बुद्ध, चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान,चन्द्रगुप्त मौर्य, माता सावित्री फूले आदि के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारा स्वर्ण अक्षरों में लिखा हुआ इतिहास रहा है। जनपद में समाज को किसी भी राजनीतिक पार्टी चाहे भाजपा,सपा,बसपा किसी ने कोई उचित हिस्सेदारी नहीं दी है। समाज की कोई हिस्सेदारी फिरोजाबाद में सत्ता पक्ष में न होने के कारण समाज का दोहन बडे स्तर पर हो रहा है। कोई सुनने वाला नहीं है। आज समाज की मांग है हमें सबको संगठित होकर संघर्ष करना होगा। तभी अपना अधिकार पा सकेंगे। राजूसिंह कुशवाहा अध्यापक जिला महामंत्री कुशवाहा जिला सभा ने बेटियों को शिक्षित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर युवा समाज सेवी अभिषेक कुशवाहा, बन्टू कुशवाहा अध्यक्ष श्रीखाटूश्याम सेवा, विद्याराम कुशवाहा पूर्व प्रधान,राम निवास कुशवाहा, हरिविलास कुशवाहा, अनुज कुशवाहा, राजकुमार यादव, ठेकेदार मनीष कुशवाहा, सौरभ कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, शिवम कुशवाहा, जयवीर सिंह कुशवाहा, धर्मेन्द्र कुशवाहा एवं उनकी युवा टीम के साथ ही काफी संख्या माता बहनों युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदन सिंह कुशवाहा व संचालन राजू सिंह कुशवाहा ने किया।

सड़क पार करते समय डीसीएम के रोदने से युवक की मौत

फिरोजाबाद थाना मक्खनपुर क्षेत्र के गांव इंदुमई के समीप सड़क पार कर रहे एक युवक को डीसीएम ने रोद दिया जिसके फल स्वरुप उसकी मौत हो गई पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में कराया है

इंदुमई निवासी 40 वर्षीय प्रमोद कुमार पुत्र इंद्रपाल सोमवार की दोपहर गांव के समीप लगी हुई मंडी से सड़क पार कर रहा था तभी एक तेज गति से आ रही डीसीएम ने अनियंत्रित होकर उसे रोद दिया जिसके फल स्वरुप उसकी मौके पर मौत हो गई

घटना देख लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई इधर सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंच गई

परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है

जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है

अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत दो घायल

फिरोजाबाद, नगर के सुहाग नगर चौराहे के समीप रविवार की देर रात एक अनियन्त्रित कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गयी, दो अन्य घायल हो गये दुर्घटना इतनी भीषण थी कार डिवाइडर को तोड़ती हुई सर्विस रोड पर पहुँच गयी जिसकी चपेट में आने से दो बाइक व एक अण्डे की ठेल भी क्षतिग्रस्त हो गयी दुर्घटना में मृत युवक का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया घायलो को उपचार के लिये आगरा ले जाया गया है

घटना रविवार रात करीब 11 बजे की है, जानकारी के अनुसार एक कार टूण्डला की तरफ से फिरोजाबाद की तरफ आ रही थी। कार राष्ट्रीय राज मार्ग स्थित सुहाग नगर के मुख्य चौराहे पर पहुँच कर अनियन्त्रित हो गयी, और डिवाइडर को तोड़ते हुए सर्विस रोड पर अण्डे की ठेल में जा घुसी, जिसके फलस्वरूप पास में खड़ी दो बाइको को भी अपनी चपेट में ले लिया , जिससे दो बाइक व अण्डे की ठेल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी।

एक बाइक पर थाना लाइनपार क्षेत्र के गुंदाऊ निवासी 22 वर्षीय निक्की पुत्र भानुप्रताप उर्फ अशोक अस्पताल में भर्ती चाची को खाना देने के लिये खड़ा हुआ था। वही दो अन्य लोग भी जो बाइक व अण्डे की ठेल के पास खड़े थे। वह भी इस अनियन्त्रित कार की चपेट में आने से घायल हो गये। तीनो घायलो को उपचार के लिये सरकारी ट्रामा सेंटर लाया गया।

जहां चिकित्सक ने निक्की को मृत घोषित कर दिया। अन्य दोनों घायलों को दशा नाजुक देख आगरा रेफर कर दिया। दोनों घायलों का नाम ज्ञात नहीं हो सका

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रशान्त वशिष्ठ के लिये पुष्प प्रिंटर्स, बौधाश्रम फिरोजाबाद से छपकर कार्यालय दैनिक सच क्या है बौधाश्रम फिरोजाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक- छीतरिया शर्मा
फोन नं. 05612297399.
9411927251,
9259041013,
9997830502
E-mail fzd@suchkyahai.com
suchkyahai@gmail.com
suchkyahai87@gmail.com